

3968

आयु पर पहुँचने पर 28-2-1979 के अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० ई० (1) 04107—प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के निदेशक के कार्यालय भारत मौसम विज्ञान विभाग में सहायक मौसम विज्ञानी श्री ए० के० बनर्जी निवर्तन की आयु पर पहुँचने पर 31-1-79 के अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 5 मई 1979

सं० ई० (1) 04255—प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के निदेशक के कार्यालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग में सहायक मौसम विज्ञानी श्री एन० बी० घोष निवर्तन की आयु पर पहुँचने पर 31-3-1979 के अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० ई० (1) 05493—प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के निदेशक के कार्यालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री ए० के० बन्धोपाध्याय निवर्तन की आयु पर पहुँचने पर 28-2-79 के अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

गुरुमुख राम गुप्ता,  
मौसम विज्ञानी,  
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1979

सं० ए० 32014/2/79-ईसी—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री ई० सी० लाल, संचार सहायक, वैमानिक

सं० ए० 32014/1/79-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित चार तकनीकी सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से नियमित आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:—

| क्र० सं० | नाम                      | तैनाती स्टेशन                                    | कार्यभार संभालने की तारीख |
|----------|--------------------------|--------------------------------------------------|---------------------------|
| 1.       | श्री एस० एन० सम्पत       | निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली। | 26-3-1979 (पूर्वाह्न)     |
| 2.       | श्री टी० एस० कृष्णमूर्ति | वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास                     | 29-3-1979 (पूर्वाह्न)     |
| 3.       | श्री के० श्रीनिवासन      | वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास                     | 29-3-1979 (पूर्वाह्न)     |
| 4.       | श्री एन० एन० तम्बियार    | वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास                     | 31-3-1979 (पूर्वाह्न)     |

सं० ए० 32013/9/78-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 29 जुलाई, 1978 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/77-ईसी और दिनांक 22-9-79 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/78-ई० सी० के मद सं० 1 और 4 के संशोधन के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों की तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को उनके नाम के सामने दी गई अवधि के लिए और तैनाती स्टेशन पर जारी रखने की मंजूरी दे दी है:—

| क्र० सं० | नाम              | तैनाती स्टेशन                                  | तदर्थ नियुक्ति जारी रखने की अवधि |
|----------|------------------|------------------------------------------------|----------------------------------|
| सर्वश्री |                  |                                                |                                  |
| 1.       | बी० सी० रेड्डी   | निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली | 31-12-78 के बाद 30-1-80 तक       |
| 2.       | टी० आर० शास्त्री | वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई                    | 28-11-78 के बाद 29-11-79 तक      |

| 1                    | 2 | 3                                             | 4                             |
|----------------------|---|-----------------------------------------------|-------------------------------|
| 3. एम० अरुणदास       |   | क्षेत्रीय नियंत्रक संचार, मद्रास              | 27-9-78 के बाद<br>28-9-79 तक  |
| 4. टी० एन० मेहता     |   | निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एम० नई दिल्ली | 27-9-78 के बाद<br>31-12-78 तक |
| 5. के० चन्द्रचूदन    |   | वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास                  | 27-9-78 के बाद<br>28-9-79 तक  |
| 6. एन० आर० एन० अयंगर |   | वैमानिक संचार स्टेशन, गोवाटी                  | 27-9-79 के बाद<br>28-9-79 तक  |

इस विभाग की दिनांक 3-4-79 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/78-ई० सी० एतद्वारा रह की जाती है।

दिनांक 3 मई 1979

सं० ए० 32014/1/79-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित चार तकनीकी सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से और स्टेशन पर नियमित आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है :—

| क्र० सं० | नाम                  | मौजूदा तैनाती स्टेशन     | नया तैनाती स्टेशन       | कार्यभार संभालने की तारीख |
|----------|----------------------|--------------------------|-------------------------|---------------------------|
| 1.       | श्री च० वेंकटचालम    | वै० सं० स्टेशन, नागपुर   | वै० सं० स्टेशन, नागपुर  | 30-1-1979 (अपराह्न)       |
| 2.       | श्री र्ध कुमार       | वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता  | वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता | 30-3-1979 (पूर्वाह्न)     |
| 3.       | श्री बी० बी० चौगुले  | वै० सं० स्टेशन, औरंगाबाद | वै० सं० स्टेशन, बम्बई   | 31-3-1979 (पूर्वाह्न)     |
| 4.       | श्री बी० के० रस्तोगी | वै० सं० स्टेशन, बम्बई    | वै० सं० स्टेशन, बम्बई   | 31-3-1979 (पूर्वाह्न)     |

सरय देव शर्मा,  
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल, 1979

सं० ए० 39013/5/79-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एम० एम० सुन्दरम्, सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी, हैदराबाद एयरपोर्ट का दिनांक 22 मार्च, 1979 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

बी० बी० जौहरी  
सहायक निदेशक प्रशासन

के० बोस को एकदम तत्पश्चात् आधार पर 25 मई, 1978 के पूर्वाह्न से और अगले आदेशों तक उसी शाखा में स्थाना-पन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मलहोत्रा  
उप निदेशक (प्रशा०)  
नूतने महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1979

सं० ए० 12022/1/79-ई०—I—राष्ट्रपति ने भारतीय सांख्यिकीय सेवा के स्थानापन्न ग्रेड IV अधिकारी श्री के० एस० बेदी को दिनांक 12 अप्रैल, 1979 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में सांख्यिकीय अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

सी० के० वत्स  
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22 दिनांक 28, अप्रैल 1979

सं० ए० 19012/690/78-प्रशा०—V—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री धमनजीत सिंह, पर्यवेक्षक को पदोन्नति पर अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 14 अप्रैल, 1978 की पूर्वाह्न से पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर केन्द्रीय जल आयोग में इस पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, नियुक्त करते हैं।

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 2 मई 1979

सं० 1/338/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के अधीक्षक, श्री ए०

सं० ए०—19012/712/78-प्रशा०—V—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री टी० कन्नन, पर्यवेक्षक को पदोन्नति पर अतिरिक्त

सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रु०-35-880-40-1000-द० रु०-40-1200 के वेतनमान में 5-5-1978 की पूर्वाह्न से पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर केन्द्रीय जल आयोग में इस पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, नियुक्त करते हैं।

के० के० साहा  
अवर सचिव

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

निर्माण महानिदेशक कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल, 1979

सं० 23/2/73-ई सं० II—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर

सरकारी सेवा से, दिनांक 31 मार्च, 1979 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त हो गए।

| नाम                  | वर्तमान पदनाम                                                                          |
|----------------------|----------------------------------------------------------------------------------------|
| सर्वश्री             |                                                                                        |
| 1. एस० आर० चक्रवर्ती | कार्यपालक इंजीनियर (सिविल), मूल्यन एकक, आयकर विभाग, कलकत्ता।                           |
| 2. एस० जी० चक्रवर्ती | कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) मूल्यन एकक, आयकर विभाग, डिब्रूगढ़।                          |
| 3. बी० एम० घोष       | कार्यपालक इंजीनियर (सिविल), मूल्यन एकक आयकर विभाग, अजमेर                               |
| 4. एम० बी० ग्राहजा   | कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत), मुख्य इंजीनियर (विद्युत) के इंजीनियर अधिकारी, नई दिल्ली। |

दिनांक 1 मई, 1979

सं० 33/5/78-ई० सी०-9—निर्माण महानिदेशक, के० लो० नि० वि० ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नलिखित नामितों को सहायक वास्तुकों के अस्थाई पदों पर रूपए 650-30-740-35-810-द० रु०-35-880-40-1000-द० रु०-40-1200 के वेतनमान में उनके आगे लिखी तारीखों से नियुक्त किया है:—

| क्र० सं० | नाम                    | सहायक वास्तुक के पद पर नियुक्ति की तारीख | वेतन                                                   |
|----------|------------------------|------------------------------------------|--------------------------------------------------------|
| 1.       | श्री आर० एन० कन्नोजिया | 4-4-1979 (पूर्वाह्न)                     | रूपए 810/- प्रतिमास वेतनवृद्धि की अगली तारीख 1-4-80।   |
| 2.       | श्री बी० एम० कपूर      | 28-3-1979 (पूर्वाह्न)                    | रूपए 710/- प्रतिमास वेतनवृद्धि की अगली तारीख 1-3-1980। |

2. दोनों अधिकारियों की सहायक वास्तुकों के नाते उनकी नियुक्ति से 2 वर्ष की अवधि तक परीक्षा पर रखा जाएगा।

3. श्री कन्नोजिया, वरिष्ठ वास्तुक (उ० अंचल)—10 एकक, के० लो० नि० वि०, रामकृष्ण पुरम, नई दिल्ली में काम करते होंगे और श्री कपूर की नैनाती वरिष्ठ वास्तुक (अ० अंचल)—10, एकक, के० लो० नि० वि०, रामकृष्ण पुरम, नई दिल्ली में 8-3-1979 (पूर्वाह्न) से की जाती है।



उत्तर रेलवे

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

नई दिल्ली, दिनांक 18 अप्रैल, 1979

सं० प्रशा०/17-22/73—निदेशक लेखा परीक्षा, उत्तर रेलवे ने सर्वश्री नत्था लाल चौपड़ा, त्रिलोक चन्द बत्रा, अमर नाथ हंस और अमोलक सिंह को लेखा परीक्षा अधिकारी के केंडर में क्रमशः 1-4-78, 1-4-78, 1-9-78 और 1-12-78 से स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

कु० भारती प्रसाद  
उप निदेशक  
लेखा परीक्षा

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

अहमदाबाद-380 009, दिनांक 3 मई 1979

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के अधीन सूचना मैमर्स त्रिमूर्ति एग्रो केमिकल्स लिमिटेड के विषय में।

सं० 2047/लिक्विडेशन—कम्पनी अरजी नं० 37/1977 में अहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 11-10-1978 के आदेश द्वारा मैमर्स त्रिमूर्ति एग्रो केमिकल्स लिमिटेड का परिममाणन का आदेश दिया गया है।

जे० गो० गाथा  
प्रमंडक पंजीयक, गुजरात अहमदाबाद

प्राकृत्य आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 मई, 1979

निर्देश सं० बीजीआर/11/78-79—अतः मुझे ई०

कोशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000  
रु० से अधिक है और

जिसकी सं० प्लॉट नं० 292 इन्डस्ट्रियल एरिया है तथा जो सैक्टर  
24 फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री यशपाल लखियानी, 88 तनेजा बलाक आदर्श नगर,  
अयपुर (अन्तरक)

2. मैसर्स एच० एम० टुशवर एण्ड को०, प्लॉट नं० 291,  
सैक्टर 24, फरीदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही  
अर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 292 जिसका क्षेत्रफल 1288.88 वर्ग गज है।  
जिसके ऊपर एक शौड बना है। सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्रेशन नं०  
3475 में दी गई और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बल्लबगढ़ के कार्यालय  
में 23-8-1978 को लिखा गया।

ई० के० कोशी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

तारीख: 4-5-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निदेश म० एन० सी० 296/78-79—यतः मूक्ष के० नारायणा मेनोन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुरार है, तथा जो कायमकुलम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलप्पी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-8-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या धन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के धन-सूच में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. फातिमा बाई और अन्य (अन्तरक)
2. पी० आर० नागू और अन्य (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

14 Cents of land with building No. KMC XXIV/63 of Kayamkulam village—Vide Schedule to Document No. 1889/78 of SRO, Alleppey.

के० नारायणा मेनोन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 27-4-79

मोहूर:

प्रूप धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई, 1979

निदेश नं० एएसआर/बीटीएल/79ब80/23—यतः मुझे  
एम० एल० महाजनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 52 कनाल है तथा  
जो कि गांव चाहल तहसील बटाला में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 30 अगस्त, 1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रस्तुत निबन्ध में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है --(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री रघवीर सिंह पुत्र और श्रीमती जोगिन्द्र कौर, भूपिन्द्र  
कौर बिक्रमजीत कौर, सुविन्द्र कौर दसजीत कौर,  
पुत्रीया श्री इज सिंह निवासी चाहल तहसील बटाला  
(अन्तरक)
2. श्री सुचा सिंह, जगत सिंह, चनन सिंह पुत्रान श्री किशन  
सिंह, निवासी चाहल तहसील बटाला (अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति हम आयदाद में रुकी  
रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में आधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

कृषिभूमि जिसका क्षेत्रफल 52 कनाल है जो कि गांव चाहल  
तहसील बटाला में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रार जीड नं० 3773  
दिनांक 30-8-78 आदि रजिस्ट्री अध्यापिटी बटाला के कार्यालय  
में दर्ज है।एम० एल० महाजन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज अमृतसर

तारीख . 1-5-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर दिनांक 1 मई 1979

निर्देश सं० एएसआर/बीटीएल/79-80/24—यत मुझे एम० एम० महाजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269(1) के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० बिल्डिंग (173 फुट × 26 फुट) है तथा जो कि फेजपुर रोड, बटाला में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 सितम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त पन्तरग लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णितः—

1. श्री गुरदित्त सिंह पुत्र ईशर सिंह, बटाला, फेजपुर रोड (अन्तरक)
2. श्री राजीव कुमार पुत्र गोशियां भवानी दाम, सोम नाथ पुत्र श्री कुशन लाल 1/2 भाग फेजपुर रोड, बटाला (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायदार हो तो । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुची रखता है । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए शायंवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 20 मरले जिसमें एक शंड (मोलडिंग शंड बिकडिंग जिसका क्षेत्रफल 55 फुट × 21 फुट जो कि फेजपुर रोड, बटाला में स्थित है (म्यूनिसिपल हद में) जैसा कि रजिस्टर्ड डीड न० 4044 दिनांक 27-9-78 आफ रजिस्ट्री अध्यापिटी बटाला के कार्यालय में दर्ज है ।

एम० एस० महाजन  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 1-5-77

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 अप्रैल 1979

नं० एमक्यू-23-I-1919(809) 10-1/78-79—अतः

मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० (1/2 हिस्सा जमीन तथा मकान में) है। तथा  
जो समुबा गवर्न्स हाईस्कूल के पास, जामनगर में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी  
1908 (1908 का 16) के अधीन 14-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री दुरमालजी दयालजी बुध तथा (2) श्री  
किशोर प्राणजिधन बुध मैसर्स बिमलकिशोर एण्ड० कं०  
के पार्टनर्स गैलेक्सी टोफीज के पास, जामनगर।

(अन्तरक)

2. मुक्ता रजिस्ट्रार कं० प्रा० लिमिटेड 7-डोनाटेड क्रोस लेण्ड  
बम्बई-9 (अन्तरिती)

3. (1) श्री भवान खिमजी
- (2) श्री भूपनमीग मवजी
- (3) श्री केशवजी अमरणी
- (4) श्री मंगल अमरणी
- (5) श्री नटवरलाल हीरालाल
- (6) श्री एम० एम० लाखानी
- (7) श्री रविशंकर दयाशंकर
- (8) श्री बीठल जागजी
- (9) श्री जेराम दामा
- (10) श्री रतीलाल गयाशंकर
- (11) युनाईटेड, कोमर्शियल बैंक

सभी—समुबा हाईस्कूल के सामने दिपक टोकीम  
जामनगर।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन तथा मकान में 1/2 हिस्सा जिनका सीटी सर्वे नं०  
80 ए 6 है तथा जो, 1319-70 वर्ग मीटर क्षेत्रफलवाली जमीन  
पर समुबा गवर्न्स हाईस्कूल के पास, जामनगर में स्थित है तथा  
तारीख 14-8-1978 में रजिस्ट्री करवाये गये विक्री दस्तावेज  
नं० 1741 में जिनका पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एम० सी० परीख,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 25-4-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निदेश सं० 41/अगस्त/78—यतः सुश्रे, ओ० आनन्द राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० काफी एस्टेट है, जो असम्भूर गांव, एरकाड तालुका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० एरकाड डाकु 148/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 21-8-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. फावर मैकेल दूरसामी (अन्तरक)

2. श्रीमती के० आर० ललीता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अभीकलचरल भूमि और काफी एस्टेट, असम्भूरगांव, एरकाड तालुका में।

ओ० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 27-4-79  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. फादर मैकेल दूरसाभी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री टी० एस० नरसिम्हन (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल, 1979

निदेश सं० 42/अगस्त/78—यतः मुझे श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० काफी एस्टेट है, जो असम्बूर गांव, एरकाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ०, एरकाड (डाक सं० 149/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहां अब होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

### अनुसूची

अग्नीकलचरल भूमि और काफी एस्टेट, असम्बूर गांव, एरकाड तालुका में।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 27-4-79  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 43/अगस्त/78---अतः मुझे, श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० काफी/एस्टेट है, जो असम्बर गांव, एरकाड तालुका में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ०, एरकाड (डाक सं० 150/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-8-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तःकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. फादर मैकेल दोरैमामी (अन्तरक)

2. श्रीमती के० आर० वसन्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Part of property as in Document No. 150/78, viz. 'High Field Estate' (Total extent 223.41 acres) situate at Asamboor Village, Yercaud Tk., Salem Distt.

श्री० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 27-4-79  
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 11/अग्रभूत/78—यतः मुझे श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० काफी एस्टेट है, जो एरकाड तालुका में स्थित है (और इसमें उपावद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० ओ०, एरकाड (डाक सं० 151/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-8-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किया आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. फादर मैकेल दूरैसामी (अन्तरक)
2. श्रीमती टि० एन० वैरमनी (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अग्नीकलचरण भूमि और काफी एस्टेट, असम्बूर गांव, एरकाड तालुका में।

श्री० आनन्दराम,  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 27-4-79  
मोहर:

आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निदेश सं० 45/अगस्त/78—यतः मुझे, श्री० आनन्दराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० काफी एस्टेट है, जो अमम्बूर गांव, एरकाड  
तालुका में स्थित है (और इससे उपावद्ध से और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० ओ०,  
एरकाड (डाक सं० 152/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-8-1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी कियों आय या किसी घन या अन्य मास्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री फादर मैकेल वूरेसामी (अन्तरक)
2. कुमारी टी० एन० गीता (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
यमाप्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्य  
कियों अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोइस्तावरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त जन्मों और पक्षों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अश्रीकलचरल भूमि और काफी एस्टेट, अमम्बूर गांव, एरकाड  
तालुका में।

श्री० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 27-4-79  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री फावर मैकेल डुरैमाजी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री टी० एन० सेकर (अन्तरिती)

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 46/अगस्त/78—यतः मुझे ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० काफी एस्टेट है, जो असम्बूर गांव, एरकाड तालुका में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ०, एरकाड (डाक सं० 153/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 21-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अग्नीकलसरल भूमि और काफी एस्टेट, असम्बूर गांव, एरकाड तालुका में।

ओ० आनन्दराम,  
आयकर अधिनियम  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 27-4-79

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 7 मई 1979

निदेश नं० एपी 555/बीटीआई०/79-80—यतः मुझे  
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर  
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. कुमारी कुण्ड कुमारी उर्फ कुण्डदेवी पुत्री गोहल लाल,  
387-ए०, पावर हाउस रोड, भटिंडा । (अन्तरक)
2. श्री वरुणेश सिंह, गुरा सिंह, सुपुत्र जोगीर सिंह (2)  
मुखदेव सिंह रज्ज्वात सिंह सुपुत्र गखन सिंह, ग्राम तुंगवाली  
भटिंडा । (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है । (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है) ।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति,  
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

## अनुसूची

दो मंजिला मकान, पावर हाउस रोड, भटिंडा जैसा कि  
विलेख नं० 3507 सितम्बर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
भटिंडा में लिखा है ।

पी० एन० मलिक,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 7-5-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 7 मई 1979

निदेश नं० एपी 556/बीटीआई०/79-80—यतः मुझे

पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—76GI/79

1. श्री श्रीमती प्रीतम कौर विधवा मोहन लाल एच-387/ए, पावर हाउस रोड, भटिण्डा (अन्तरक)
2. श्री बख्शीश सिंह, गुरा सिंह सपुत्र जागीर सिंह, (2) सुखदेव सिंह, रन्जीत सिंह पुत्रान मखन सिंह वासी गांव तुंगवाली जि० भटिण्डा। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के पंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान, पावर हाउस रोड, भटिण्डा, जैसा कि विलेख नं० 3506, मितम्बर, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिण्डा

दिनांक : 7-5-1979

मोहर :

पञ्च आई० टी० एन० सं०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निदेश सं० ए०आर०-1/4024-7/अक्तू० 78—अतः मुझे,  
बी०एम० शेपाट्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है,

और जिसकी सं० सी० एम० नं० 546 माल और खंखाला हिल  
डिबीजन है तथा जो . . . में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 6-10-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से बाधित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कर्मा करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. जगदीश अमृतनाथ हरिदास, 2. दिवीप वात-  
चन्द्र मेहता । (अन्तरक)
- (2) रूपशी जयचन्द्र शेठ (2) मिसेस प्रेमवार्द्धी रूपशी  
शेठ । (अन्तरिती)
- (3) 1. मिसेस शकुंतला कदम  
2. मिसेस, रुखीबेन शमदामानी  
3. रूपशी जैचन्द्र शेठ  
4. बी० बी० अडारकर  
5. बी० एम० कमन्जेकर  
6. जे० सहता एण्ड कम्पनी (पार्ट आफ आउटहाउस)  
7. बी० वार्द्धी टोन्टे (पार्ट आफ फर्ट फोर आफ आउट-  
हाउस) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियत करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बा-  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितगढ़ किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रकरण 20-र में परिभाषित हैं,  
बड़ी अर्थ होगा, जो उक्त प्रकरण में दिया गया है ।

### अनुसूची

अनुसूची जैसा कि बिलेख सं० 586/78 और डी बम्बई  
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 6-10-78 को रजिस्टर्ड  
किया गया है ।

बी० एम० शेपाट्री  
सक्षम प्राधिकारी  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 27-4-1979  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश न० ए०आर०-आई/4066-39/78—अतः मुझे वी०  
एस० शेपाद्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है।

और जिसकी सं० सी० एस० न० 10/593 मालाबार और  
कम्बाला हिल डिवीजन है तथा जो ... में स्थित है (और इसमें  
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी  
अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,  
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1 श्री के० जे० खंवाटा, 2. बी० एच० भिवंडीवाला,  
3. टी० पी० मेहता, 4. पी० के० खंवाटा—ट्रस्टी  
के संत फिरोजशाह आर० मेहता और बाई दिनबाई  
फिरोजशाह मेहता चेरिटि ट्रस्ट, । (अन्तरक)

(2) मिसेम नाजबी ए० टोबाकोवाला एस० ए० टोबाकोवाला  
एम० एच० ए० टोबाकोवाला ।

(अन्तरिती)

(3) 1. मिसेम ए० एम० जवेरी  
2. सुलतान नाथानी  
3. एच० जी० मलकानी  
4. पी० आर० बालेस और सन्म  
5. मिसेम पी० वी० टाटा  
6. एम० जे० चौक्मी  
7. मिसेम आर० एफ० अलान  
8. (1 गैरेज) मिसेम आर० एल० अलान

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
तार्कबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पन्थ में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख न० बम्बई 1289/77 उपरजिस्ट्रार  
अधिकारी द्वारा दिनांक 21-10-78 को रजिस्ट्रार किया गया है।

वी० एम० शेपाद्री,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेज-1, बम्बई

तारीख. 30-4-79

साहूर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०— --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1979

सं० 480/टी० आर०-457/C-406/कल०-2/78-79—

यत, मुझे आई० बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो ओरियन्ट रो० पार्क कलकत्ता-17  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदाह कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 12-8-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)  
धीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मिसेस माधुरी सिन्हा चौधुरी । (अन्तरक)
2. मिसेस मानमी राय चौधुरी । (अन्तरिती)
3. निरलन सिन्धेटिक को० । (वह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोद्घातकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

3 ओरियन्ट रो कलकत्ता-17 में अवस्थित 3 कट्टा 2 छांटों  
जमीन पर पी 2-8-78 तप्टि में 4560 नं० अनुसार-सब-रजिस्ट्रार  
सियालदाह का पास रजिस्ट्री हुआ ।

आई० बी० एस० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज, कलकत्ता

तारीख : 24-2-79

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 फरवरी 1979

सं० नं० 481/टीआर-388/सी-372/कलकत्ता-1/78-79—  
यतः मुझे, आई० वी० एम० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 43, 43/1 और 43/2 है तथा जो बेनियापुकुर  
लेन रोड कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
5 गवर्नमेंट प्रेम नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख.....

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्याख्या, प्रार्थना, —

1 श्री फनीन्द्र नाथ ब्रह्मचारी, और 50 निर्मल कुमार  
ब्रह्मचारी 19 यू एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

2 मिली एजुकेशनल आर्गनाइजेशन 10, तान्तिबागान  
रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना दी गई करके पूर्णतः सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

43, 43/1, 43/2, बेनियापुकुर स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित, 14  
कट्टा, 15 छटाक 19 वर्ग फिट जमीन पर तिनतल्ली मकान जो  
14-8-78 तारीख में I-4075 नं० अनुसार रजिस्ट्रार आफ  
एशोरेन्स कल० के पास में रजिस्ट्री हुआ ।

आई० वी० एम० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख: 26-2-79

मोहर:

प्रकृष अई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज- , कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 फरवरी 1979

निर्देश सं० ए० सी० रेंज/-II/कल०/19—यतः मुझे,  
एम्० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 25/एम० है तथा जो ब्लॉक-बी, न्यू अलीपुर, कलकत्ता 700053 में स्थित है (और इसमें उपर्युक्त अनुपूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), एजिस्ट्री की प्रक्रिया के अधीन, राजस्व अधिनियम 1, राजस्व अधिनियम, 1903 (1903 का 16) के अधीन, तारीख 2-8-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

1 श्री जे० मिश्रा, बी-23, ग्रैंटर कैंजल, न्यू देहली-48।

2. श्री एम्० आर० गतेरीवाल एण्ड सन्स, 99ई, ब्लॉक एफ, न्यू अलीपुर, कलकत्ता-53। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामोल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखा में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुपूची

प्लॉट सं० 25/एम०, ब्लॉक बी, न्यू अलीपुर, कलकत्ता में स्थित 3.92 रुई की जमीन।

एम्० सी० यादव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 26-2-79

मोहर:

प्रकृष्य आई० टी० एन० एम०-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० रेंज II कलकत्ता/1978-79—यत, मुझे, एस० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2/2ए है तथा जो वर्दवान रोड पर स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एस्टेज, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 21-8-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

1 श्रीमती राजा रानी पाँव 22, बर्लामज पार्क रोड, फ्लैट न० 102, कलकत्ता । (अन्तरक)

2 श्री श्री राम मोल, 207, महर्षि देवेन्द्र रोड, कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्ञेय--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) के आदेश पर:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

Land measuring 6-cottahs, 13-chittaks and 21-sq. ft. being premises No. 2/2A, Burdwan Road, Calcutta.

एस० सी० यादव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज- , कलकत्ता

तारीख: 6-3-79  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 48 रेंज II/कल/1978-79—यतः,  
मुझे, एस० सी० यादव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 23 ए/156/2 है तथा जो डायमंड हार्बर रोड,  
कलकत्ता पर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 24  
परगना, अलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 11-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती-  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मादि:—

1. श्री मती प्रतिमाधोष द्वारा श्री ए० आर घोष सं० 15  
शरद, चटर्जी एवेन्यू, कलकत्ता । (अन्तरक)
2. श्री सनत कुमार साहा 107, एफ ब्लॉक न्यू अलीपुर  
कलकत्ता 53 । (अन्तरिती)
- 3 (1) मसर्स इन्डस्ट्रीयल भेंटेलेशन कम्पनी (2) श्री  
इ० डब्लू० डेडे है ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, धर्मोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

371. 23 वर्ग मीटर जमीन तथा उस पर अवस्थित तीन  
मंजिला मकान जिसका सं० 23 ए/156/2 डायमंड हार्बर रोड  
है ।

एस० सी० यादव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, कलकत्ता

तारीख: 6-9-79  
मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, कलकत्ता 1

कलकत्ता, दिनांक 8 मार्च 1979

निर्देश सं० एम० सी० 49/रेंज II/कल०/78-79—यतः

मुझे, एस० सी० यादव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 6 है तथा जो अशोक रोड, अलीपुर में स्थित है,  
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एस्टेरेन्स  
में, रजिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 16-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में  
कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी क्रिया या किसी वन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
से अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

5-76GI/79

1. अशोक कुमार गोयनका, 9, जगमोहन मल्लिक लेन,  
कलकत्ता 7 । (अन्तरक)

2. श्री विनोद कनोई, 24, आर०एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता-1  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोद्देश्य के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

4 कट्ठा, 14 छटाक और 7 स्कायर फीट जमीन जो 6, अशोक  
रोड, अलीपुर में स्थित है ।

एम० सी० यादव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, कलकत्ता

तारीख : 8-3-79  
मोहर :

प्रा.सं. आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 मार्च 1979

निर्देश सं० एस/489/टीआर-392/सी-368/कल०-I/78-79—

यतः, मुझे, आई० टी० एन० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० 79 है तथा जो डा० लालमोहन भट्टाचार्य रोड़, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गमः प्लेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-8-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सम्भुनाथ शन्दर, 31, ताराचंद दत्त स्ट्रीट, कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्री सचीनाथ कुमार, कल्पना कुमार 153/एच/1, लिन्टन स्ट्रीट, कलकत्ता (अन्तरिती)

मै० कैप्टन कार्पेन्ट्री वर्क्स

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अजोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धर्माय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस धर्माय में दिया गया है।

अनुसूची

पौर सं० 79, डा० लालमोहन भट्टाचार्य रोड़, कलकत्ता का उत्तर-पश्चिम अंश साथ 5 कट्ठा 4 छटांक 18 स्को० फुट जमीन और उस पर बनाया 1 तला मकान का हिस्सा जो रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 3946 ता० 9-8-78 का अनुसार है।

आई० टी० एन० एस० जुनेजा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I कलकत्ता

तारीख: 12-3-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 551 रेंज /कल/II/—यतः मुझे एस०  
यादव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और रजि सं० 11 है तथा जो ब्रेनफील्ड रो, कलकत्ता में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डिस्ट्रीक्ट रजिस्ट्रार 24  
परगना, अलीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 4-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी भूय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री समरजीत सिन्हा 11, ब्रेनफील्ड रो, कलकत्ता-27  
(अन्तरक)
2. श्री सुनीति विश्वास, 40ए, ब्रेनफील्ड रो० कलकत्ता-27  
(अन्तरिती)
3. (1) मुख्तार सिंह (2) रामाधार सिंह (3) पी० एन०  
सिंह (4) मुरली दास (5) आर० पी० सिंह (वह  
व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

A two-storeyed brick built building known as "Servants  
Quarters" comprising of an area of 30-cottahs, 4-chittaks &  
20-sq. ft. situated on the north-west portion of the premises  
No. 11, Branfield Row, Calcutta-27.

एस० सी० यादव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 16-3-1979

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 52/रेंज II/कल-यत, मुझे, एस० सी०

यादव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

और जिनकी सं० 42 है तथा जो इकबालपुर रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, 24 परगना, अलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर 6 लिए अन्तर्गत को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना:—

1. श्रीमती रमोला देवी, 42 इकबालपुर रोड़, कलकत्ता-23 (अन्तरक)

2. श्री मुहम्मद अयाज, 189, पार्क स्ट्रीट कलकत्ता-17। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किंवा अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**व्याख्यान:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मजिला मकान जो 10 कठ्ठा, 4 छटांक और 22 बर्ग फीट पर स्थित है तथा जिनकी संख्या नं० 42 इकबालपुर रोड़, कलकत्ता-23 है।

एस० सी० यादव,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, कलकत्ता

तारीख: 21-3-79  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मार्च 1979

निर्देशा सं० ए० सी० 78/रेंज IV/कलकत्ता/1978-79—

यत, मुझे एम० के० दासगुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा चाकगेड़िया र तथा जो थाना कसबा मि० एस० बाग सं०-1, जिला 24 परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-8-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किभा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. मैसर्स सुबबर्न एग्रिकल्चरल डायरि एण्ड फिर्मरिज प्रा० लि० (अन्तरक)

2. श्री पुलक रजन देव (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शरुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मौजा चाकगेड़िया, थाना कसबा, मि० एस० बाग सं० 1, जिला 24 परगना में स्थित 15 बिघा जमीन के सबकुछ, जैसे की दलिल सं० 4833 (1978 का) में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एम० के० दास गुप्ता

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 22-3-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 मार्च 1979

निर्देश सं० ए० सी० 79/रेंजIV/कल/1978-79—यत.

मुझे, एस० के० दास गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा चाकगेड़िया है तथा जो थाना कसबा आर० एस० टाग सं० 1, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1808 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-8-78 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करसे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति को जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किमा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. सुबर्बन एग्रिकल्चर डायरि एण्ड फिसरिज प्रा० लि० (अन्तरक)

2. श्री पुलक रंजन डेव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोद्धस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2'0-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उा अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा चाकगेड़िया, थाना कसबा, आर० एस० टाग सं० 1 में स्थित 15 बिघा जमीन के सब कुछ, जैसे की 1978 का दलिल सं० 4962 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज IV कलकत्ता

तारीख : 22-3-1979  
मोहर :

प्रकरण आई टी • एन • एम •-----

1. सी० ईयाकुव (अन्तरक)

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2 आकबर अली (अन्तरिती)

269घ (1) क अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज I कलकत्ता

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

कलकत्ता, दिनांक

निर्देश सं० एसएल 490/टीआर-396/सी-343/कल०-1 1978-79--यतः, मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 5 है तथा जो ब्लाकमैन स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-8-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नं० 5 ब्लकमैन रास्ता पर चार कट्टा 6 छटाक आठ स्कायर फुट जमीन पर दोल्ला पक्का मकान जो कलकत्ता में रजिस्ट्रार अब आफ एस्युग्रेन्स नं० I-4035 अब 1978 में रजिस्ट्री हुआ है।

आई० वी० एस० जुनेजा,  
मक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) प्रारंभ निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जन :—

तारीख : 26-3-79  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 27 मार्च 1979

निर्देश सं० 464/एकुरे III/78-79/कल०--अतः मुझे, भास्कर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 3/2ए है तथा जो गरचा फास्ट लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-8-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गमल कुल्लन घोष और अन्यान्य (अन्तरक)

2. मै० हिन्दुस्नान एन्टारप्राइज 2ए, गरचा फास्ट लेन, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 7 कट्टा 4 छटांक 21 इको० फुट जमीन साथ उस पर बनाया मकान जो सं० 3/2ए, गरचा फास्ट लेन, कलकत्ता पर अवस्थित।

भास्कर सेन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, कलकत्ता

तारीख: 27-3-1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 मार्च, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 80/रेंज IV/कल/1978-79—यतः

मुझे, एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मौजा-92 कृष्ण नगर,  
थाना कोतवाली, जिला नदिया में स्थित है (और इससे  
उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नदिया में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
25-8-78 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में मृच्छा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
6-76GI/79

(1) श्री सुकुमार मुखर्जी। (अन्तरक)

(2) श्री कृष्णपद दास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां कियीं हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा-92, कृष्णनगर, थाना कोतवाली, जिला नदिया में  
स्थित 11 एकड़ जमीन तथा स्ट्रक्चर्स के सबकुछ जसे के  
1978 का दलिल सं० 9109 में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है।

एस० के० दामगुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

54 रफीअहमद क़िदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख: 28-3-1979

मोहर:

प्रारूप-आई० टी० एन० एम०-----

(1) श्री सुकुमार मूखर्जी

(अन्तरक)

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कृष्णपद दास

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 मार्च, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 81/रेंज-IV/कल/1978-79—यतः

मुझे, एम० के० दास गुप्ता

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा 92, कृष्णनगर है तथा जो थाना-कोतवालि, जिला नदिया स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिका-री के कार्यालय, नदिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1978 को

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मौजा सं० 92, कृष्णनगर, थाना कोतवालि, जिला-नदिया में स्थित 11 एकड़ जमीन तथा स्ट्रक्चर्स के सबकुछ जंसे के 1978 का दलित सं० 9120 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एम० के० दास गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

तारीख : 28-3-1979  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 मार्च, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 82/रेंज IV/कल/1978-79—यतः

मुझे, एस० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० नाचान रोड है तथा जो बेनाचिटि, दुर्गा-  
पुर-13, जिला-बर्धमान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, राणीगंज, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-8-1978  
को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वग्नह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

(1) श्रीमती कलावती देवी स्वरूप

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रियाबाला घोष तथा बलाई चन्द्र घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

नाचान रोड, बेनाचिटि, दुर्गापुर-13, जिला-बर्धमान के  
अन्तर्गत 3 कट्टा जमीन के सबकुछ, जैसे के दलित सं०  
3855 (1978 का) में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV,

54, रफीअहमद क़िदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 28-3-1979

मोहर :



प्रकट आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 अप्रैल 1979

निदेश सं० ए० सि० I/रेंज-IV/कल/1979-80—यतः

मुझे, एस० के० वास गुप्ता

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खलियान सं० 1785 है तथा जो मौजा तारदह, थाना भानगड़ जिला-28 परगणा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बारासान में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-8-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

(1) श्री० रेवन्त बासु

(अन्तरक)

(2) श्री जनमेतजय रंग

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा तारदह, थाना भानगड़, खलियान सं० 1785, जिला 24 परगणा के अन्तर्गत 5.49 एकड़ जमीन के सबकुछ जैसा के 1978 का दलिल सं० 2383, 2384, 2385 में और पूर्ण रूप से वर्णित है और वही सब दलीलों द्वारा अन्तरित हुई है।

एस० के० वास गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, IV  
54, रफी अहमद क़िदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख: 4-4-1979

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एल०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 अप्रैल, 1979

निदेश सं० ए० सी० 2/रेंज-IV/कल/1979-80—यतः  
मुझे, एस०के दासा गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० जे० एल० सं० 38 है तथा जो मौजा  
तारदह, थाना भानगड़, जिला 24 परगणा में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बारासाल में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 17-8-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रेवन्त बासु

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीग चन्द्र रंग

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

मौजा तारदह, थाना भानगड़, जिला 24 परगणा स्थित  
व/ज/० 1465, जे० एल० सं० 38 का 3.66 एकड़ जमीन  
का सबकुछ जैसे के 1978 का दलील सं० 2386 तथा  
2387 में और पूर्ण रूप से वर्णित है तथा उस दलीलों  
द्वारा अन्तरित हुई है।

एस० के० दास गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 4-4-1979

मोहुर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 3/रेंज-IV/कल/1979 80—यतः

मुझे, एस० के० दास गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खतियान सं० 1785 है तथा जो मौजा तारदह कापासहाट, थाना भानगड़, जिला 24 परगणा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बारासात में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-8-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटि :—

(1) श्री रेवन्त बासु (अन्तरक)

(2) श्री अभिमन्यू रंग

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मौजा तारदह कापासहाट, थाना भानगड़, जिला 24 परगणा, खतियान सं० 1785, दाग सं० 1465 के 3.66 एकड़ जमीन के सब कुछ जैसे के 1978 का दक्षित सं० 2427 तथा 2428 में और पूर्ण रूप से वर्णित है तथा उस दलीलों द्वारा अन्तरित हुई है।

एस० के० दास गुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 4-4-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एल० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० सी० 4/रेंज-IV/कल/1979-80—यतः,  
मुझे, एस० के० दामगुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी खतियान सं० 1274 है तथा जो मौजा-तारदह कापाम हाट थाना-भानगुड़, जिला-24 परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बारामात में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-8-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिपाद से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किमी धाय या किसी घन या ग्रन्थ भास्तिबों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाट्टि था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रेवन्त बासु ।

(अन्तरक)

(2) श्री मृत्युञ्जय रंग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिना कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किये जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मौजा-तारदह कापाम हाट, थाना-भानगुड़, खतियान सं० 1274, दाग सं० 1465, जिला-24 परगना जमीन स्थित 5.49 एकड़ जमीन के सब कुछ जैसे की 1978 का दलिल सं० 2429, 2430 तथा 2431 में और पूर्ण रूप से वर्णित है तथा उस दलिलों द्वारा अन्तरित हुई है ।

एस० के० दामगुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जुन रेंज-IV,

54, रफी अहमद क़िदवाई रोड़,

कलकत्ता T-16

तारीख : 4-4-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० सी० IV/रेंज-4/कल/1979-80—यसः,

मुझे, एस० के० दासगुप्ता,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिमकी जे० एल० सं० 110 है तथा जो थाना-सिलिगुड़ी,  
जिला दार्जिलिंग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सिलिगुड़ी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 9-8-1978 तथा 22-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जबरमल पिपलवा उर्फ सर्मा, गन्धर पिपलवा उर्फ सर्मा,  
किशोर कुमार पिपलवा उर्फ सर्मा, अशोक कुमार  
पिपलवा उर्फ सर्मा पवन कुमार पिपलवा उर्फ सर्मा,  
तथा ललित कुमार पिपलवा उर्फ सर्मा ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती श्यामा देवी, अगरवाल ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

#### अनुसूची

060 एकड़ जमीन तथा उस पर मकान का सब कुछ जो की  
जिला दार्जिलिंग, थाना तथा मौजा सिलिगुड़ी, जे० एल० सं० 110,  
ख० सं० 2395, प्लॉट सं० 8486 में स्थित है, जैसे के दलिल  
सं० 4579 दि० 7-8-78 तथा दलिल सं० 4671 दि० 14-8-78  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है तथा उस दलिलों से अन्तरित हुई  
है ।

एस० के० दासगुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज IV  
54, रफी अहमद कियदाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 6-4-1979  
मोहर :

प्रकरण अर्द्ध-टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1969

निदेश सं० 285-ए०:—अतः मुझे, भारत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-9-78 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अनारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन सम्पत्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7-76GI/79

(1) श्रीमती सावित्री देवी पुवी श्री दीप चन्द्र निवासी ग्राम कपूरपुर रुमडी डा०: ब पर व तह व जिला : महारनपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मरदार स्वरूप सिंह सपुत्र मरदार महताब सिंह राजकुमार व अशोक कुमार पिसरान हवेली ग्राम निवासी गुम्ढारा रोड़ (महारनपुर) ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करवा हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गणों और उक्त का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है बड़ी अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ग्रह सम्पत्ति स्थित ग्राम कपूरपुर में 37,000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 56,760/- रुपये आंकी गई है।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी,  
मध्यम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण  
(अर्जन रेंज), कानपुर ।

तारीख : 27-3-1979 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च, 1979

निर्देश सं० 292-ए०:—अतः मुझे, भारत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० तथा जो मे स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवनन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-9-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये भस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किमा माय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमम बचत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी अथवा किसी घन या अन्य प्राप्ति को जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहा या या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

(1) श्री अमर पुत्र बुद्धू ग्राम केन्दकी डा० भोपाली पर० व तह० देवनन्द (महाराजपुर)।

(अन्तरक)

(2) श्री अमर प्रकाश सपुत्र नस्थू नि० ग्राम तल्लेडी पर० नागल जिला :—महाराजपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना दाने कर० पूर्वोक्त सम्पत्ति के पत्रों के लिए कार्यवाहिया कराना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क संबंध में कोई भी प्राप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवरोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रवृत्तिहरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि स्थित तल्लेडी में 20,000/- रुपये को बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 55,320/- रुपये आका गया है।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 27 मार्च, 1979।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निर्देश सं० 374-ए०—अतः मुझे, भारत चन्द्र चतुर्वेदी प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मालती दुबे पत्नी स्व० बट्टी प्रसाद दुबे 118/233 कोशलपुरी कानपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री अशर्फी लाल श्रीवास्तव पुत्र श्री ईश्वरी प्रसाद श्रीवास्तव 118/214 कोशलपुरी, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

भूमि काकादेव कानपुर में 20,000/- रुपये की बेजी गयी जिनका उचित बाजारी मूल्य 75,600/- रुपये आंका गया है ।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख : 27-3-1979  
मोहर :



प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक, 27 मार्च 1979

निर्देश सं० 775 ए०—अतः मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में  
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकुंड में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 3-10-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री महेन्द्र कुमार पुत्र लाला ताराचन्द्र जैन निवासी  
महारनपुर मोहल्ला रामनगर मुख्यतार आप-अमका  
मिसजानिब श्रीमती वल्ली पत्नी रोशनलाल  
निवासी मुज्जफरनगर मोहल्ला जैन मन्दिर  
(अन्तरक)

(2) श्री मत्तपाल पुत्र सुलतान सिंह ग्राम सहजन्ती  
पो० भचधर हेडी पर० व तह० नकुंड जिला :  
सहारनपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम सहजन्ती में 15000/- रूपए की बेची  
गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 53,000/- रूपए आंका  
गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-3-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निर्देश सं० 776-ए०—प्रतः मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के प्रथम मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए में अधिक है  
और जिसकी सं० है तथा जो में  
स्थिति है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महारनपुर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 के (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 5-10-78 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तविकी  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती मुसहमात मजीदन बेवा मीम साकिन मौजा  
आसमपुर डा० रामपुर पर० फजाबाद तह० ब  
जिला : महारनपुर (अन्तरक)
- (2) श्री मोहम्मद दासन पिसर भूरा साकिन मौजा  
आलमपुर डा० रायपुर पर० फजाबाद तह० ब  
जिला : महारनपुर (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में भगपत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-त में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि मौजा आलमपुर में 41,000/- रुपए की बेची गई  
जिसका उचित बाजारी मूल्य 69,000/- आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, कानपुर

तारीख: 27-3-79  
मोहरः

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निर्देश सं० 777-ए०—अतः मुझे, भारत चन्द्र चतुर्वेदी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करा  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० है तथा जो में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महारनपुर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 6-10-78

को पंजीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल में, पक्ष दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) का अर्थ ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या भोग प्राप्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर-  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत्त में  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्री सरदार केवल सिंह व सरदार गुरदेव सिंह  
पुत्र सरदार गुरबचन सिंह ग्राम नल्हेड़ा बेद  
बेगमपुर डा० ब पर० हरोडा तह० व जिला:  
सहारनपुर (अन्तरक)

(2) श्री सरदार जुगेंद्र सिंह व सरदार महेंद्र सिंह  
पितरान सरदार मोहन सिंह ग्राम थनोला डा०  
हन्डपाया तह० बरनाला जिला:  
संगरूर (पंजाब) हाल निवासी ग्राम नल्हेड़ा  
बेदबेगमपुर डा० व पर० हरोडा तह० व जिला:  
सहारनपुर (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करती हूँ कि सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
मनाया होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
पक्ष व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति स्थित ग्राम नल्हेड़ा बेदबेगमपुर पर० हरोडा  
जिला सहारनपुर में 69,875/- रुपए में बची गई जिसका  
उचित बाजारी मूल्य 99,868/- रुपए आंका गया है।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-3-1979  
मोहर:

प्रमाण सं. 110 पन्ना 1 पृष्ठ 1

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निर्देश सं० 787-ए—अतः मुझे भारत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें हफ्ता पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय घाटमपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन तारीख 20-10-78

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परन्तु पतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य पर अन्तरण लिखित में पारस्परिक रूप से कथित नहीं है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण का तारीख में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाप या किसी घन या घन सम्पत्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पंजीकृति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाव में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री गयाप्रसाद सुपुत्र श्री बंशी धर साकिन अमधाना, पोस्ट बरी, महबेनपुरा घाटमपुर, जिला कानपुर।

(अन्तरक)

2 श्री राम कुमार व शिव कुमार सुपुत्र श्री बंशी धर ग्राम कुमरका पोस्ट, धमनी परगना घाटमपुर, जिला कानपुर।

श्रीमती शारदा देवी पत्नी ब्रजनन्दन पत्नी विमलेश कुमार शैलानी, साकिन मधिया खेडा, मजरा दालोका डा० देवरी बुजरी, तह० पिन्धनी जिला फतेहपुर व बलदेव वशिष्ठराम वशिष्ठ नारायण प्रा० भुड मा० कुमरबय पो० धमन नुनरी परगना घाटमपुर, जिला कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करा जा रही है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम पचखोरू परगना घाटमपुर में 45000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 72,000/- रुपये आंता गया है।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी,  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख: 27-3-79

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च, 1979

निदेश सं० 789-ए—अतः मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुढाना  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 17-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में लगी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों  
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. हसीना बेगम, विधवा इरदीस बेग,  
नि० कांधला परगना कांधला तह० बुढाना, जिला  
मुजफ्फरनगर ।

(अन्तरक)

2. श्री फय्याज अहमद व रफीक अहमद सुपुत्र अब्दुल अजीज  
व अमीर अहमद व अब्दुल अजीज पुत्रगण हाजी  
अल्लाबन्दा व लतीफ अहमद पुत्र अमीर अहमद व  
श्रीमती खंरूलनिशा पत्नी फय्याज निवासी, व परगना  
कांधला, तहसील बुढाना, जिला मुजफ्फरनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम कांधला में० 77,655/- रुपये की बेची गई  
जिसका उचित बाजारी मूल्य 1, 42,368/- रुपये आंका गया है ।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-3-79  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कानपुर, दिनांक 27 मार्च, 1979

निर्देश सं० 800/ए०—अतः मुझे, भारत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

8—76GI/79

1 श्री रामेश्वर सरन गुप्ता पुत्र डा० पी० एन० गुप्ता निवासी 1/12, शानि निकेतन न्यू देहली-11020

(अन्तरक)

2. श्रीमती दरियाव कौर पति निरंजन सिंह

साकिन बिलेज, नगलां वेर, डा० कलछीया, जिला गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक ग्रह सम्पत्ति बैंक मनोरंजन पार्क सांकेट मित्रिज लाइन मेरठ में, 1,50,000/- रुपये की बेंची गई त्रिपता उचित बाजार मूल्य 2,10,000/- रुपये आंकी गई है।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-3-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निदेश सं० 821-ग-- अतः मुझे भरतचन्द्र चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसका सं० है तथा जो अनुसूच में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

[(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्मियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुवर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

1. श्री किशन लाल पुत्र श्री गुण्देयान व श्रीमती रिसाला देवी पत्नी श्री किशनलाल निवासी 294, मालीवाडा, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रामेश्वरी देवी पत्नी धर्मवीर यादव ग्राम शरफाबाद, डा० परखला, परब व तहसील दादरी जिला, गाजियाबाद व श्रीमती धनेश्वरी पत्नी ओमप्रकाश निवासी ग्राम हरमाऊ पर० डासना, जिला गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रह सम्पत्ति स्थित माली वाडा, गाजियाबाद में 40,000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 75,000/- रुपया आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-3-79

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निर्देश सं० 825-ए—अतः मुझे भारत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मबाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-10-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अद्वैत स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य भास्तिर्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा—

1. श्री राजपाल व महीपाल सिंह पुत्रगण फूल सिंह ग्राम मोहम्मद मुरादपुर उर्फ शोलदा डा० माधरा, परगना किठौर, तह० मवाना (मेरठ)। (अन्तरक)

2. श्री बन्शी व चन्दार सुपुत्र श्री गोपाल व हरचन्द पुत्र मंगल सिंह ग्राम हसनपुर परगना किठौर, तह० मवाना डा० खास, जिला मेरठ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम शोलदा में 39,072/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 63,000/- रुपये आंका गया है।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-3-79  
मोहर :



प्रकृष आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कार्यालय

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निर्देश सं० 846-ए०—अतः मुझे भारत चन्द्र चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जानकथ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-9-1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मुसम्मत् जहूर आरमा बेबा अली हेसन मा० जौली, घर० जौली जानकथ जिला मुजफ्फर-नगर। (अन्तरक)

(2) श्री अली जौहर पुत्र मोहम्मद एजाज मा० जौली, घर० जौली, जानकथ जिला मुजफ्फर-नगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरलम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में तथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जौली में 40,000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,13,864/- रुपये आंकी गई है।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी,  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 27-3-1979

मोहर :

प्रकरण धार्मिक टी०एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निर्देश सं० 849-ए०—अन: मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मबाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 22-9-1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व  
में यही उक्त या उक्त करने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) जैसी किसी आय या किसी घन या अन्य गतिविधियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जन :—

- (1) श्री प्रह्लाद मिह पुत्र अमीर मिह ग्राम मडौली  
गादुल्लापुर, पर० किठौर, स० महलवाला, जिला  
मेरठ। (अन्तरक)
- (2) श्री आत्मा मिह व मेजर मिह पुत्रगण गुरदयाल  
मिह नि० ग्राम मालौर रसूल, पनाह सा० गैसपुर  
पर० किठौर, तहसील मबाना (मेरठ)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम भूमि ग्राम गादीपुर में 11,100/- रुपये में बेची  
गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 55,520/- रुपये आंका  
गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, कानपुर

तारीख : 27-3-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निर्देश सं० 861-ए०—प्रतः मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी सं० है तथा जो में  
स्थित है (और इससे उपरिबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 19-9-78 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिये ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा, (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री सुखबीर सिंह, जै प्रकाश, ब्रह्म प्रकाश पुत्र-  
गण चौ० चरन सिंह, ग्राम कलोजा, सा० खाऊ,  
पर०-तह० मेरठ। (अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश पुत्र चौ० भगवान सहाय ग्राम  
कलीना, सा० खाऊ, पर० तह० जिला मेरठ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताभरो के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम खेड़ी में 30,000/- रुपये की बेची  
गई, जिसका उचित बाजारी मूल्य 78,960/- रुपये आंकी  
गई है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-3-1979  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 मार्च 1979

निवेदन सं० 485/अर्जुन/खेरागढ़/78-79—अतः मुझे भ०  
च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
खेरागढ़ (आगरा) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 22-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री रामगोपाल पुत्र लाला जानकी प्रसाद, खुर  
व संरक्षक मा० बा० कन्हैया लाल, श्रीमती  
लीलावती, श्री रामगोपाल व अन्य निवासी  
मुहल्ला चौबान, कम्बा फिरोजाबाद, जिला आगरा।  
(अन्तरक)

(2) श्री बाबू लाल, बाल मिसन प्रमाण लाला नरोत्तम  
दास, श्रीमती प्रेमवती स्त्री लाला निरोत्तमदास व बाबू  
लाल, सीताराम, पुत्र बालकिशन, निवासी व  
पो० खेरागढ़, जिला आगरा व श्रीमती कुसुमदेवी  
स्त्री महावीर प्रसाद निवासी मोती कटरा, जिला  
आगरा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

अचल सम्पत्ति 2 दूकानें एक मंजिली, एक बाड़ा व  
एक नया महान एवं मंजिला व एक पू दूकान एवं मंजिली  
स्थित कम्बा खेरागढ़, जिला आगरा 115000/- रु० में  
बेची गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य  
150000/- रु० आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर।

तारीख : 30-3-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 मई 1979

निदेश सं० 761-ए०—अन: मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी।  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसका सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय  
मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 13-9-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाम की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाम या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट:—

(1) श्रीमती जगदम्बाप्रतिमा बेगम बेवा काजी मुकद-  
रुद्दीन साहब, साबिन मो० इस्माइल नगर,  
साबिक मारुफमशाये खान शहर मेरठ।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती असगरी बेगम दुखतर हाजी इशतियाक  
अहमद काशी परगना व तह० मेरठ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धामपे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 2C-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

मकान नम्बर 43-44 वादुह नम्बर 60 मौजवा  
नम्बर 65 मशाये खान मेरठ हाल मारुफ इस्माइल नगर  
मेरठ में 62,000/- रुपये का बेचा गया जिनका उचित  
बाजारी मूल्य 76,000/- रुपये आया गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 2-5-79  
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 मई 1979

निदेश सं० 851-ए०—अतः मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मबाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-9-1978 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं परांतः:—

(1) श्रीमती अनुराधा पत्नी सरदार सिंह ग्राम व डाक गैसपुर, जनूबी पर० किठौर (मेरठ)।

(अन्तरक)

(2) श्री सतपाल सिंह व सुरेन्द्र सिंह व महेन्द्र सिंह पुत्रगण हुकम सिंह ग्राम व डाक गैसपुर जनूबी परगना किठौर (मेरठ)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम गैसपुर जनूबी परगना किठौर, में 65040/- रुपये की बची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 89,000/- रुपये आका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, मेरठ।

तारीख: 1-5-1979  
मोहर:

प्रकट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 मई 1979

निदेश सं० 523/अर्जन/सादाबाद/78-79 अतः—: मुझे भारत चन्द्र चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सादाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-9-78 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कथी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा सो भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री राजवीर सिंह पुत्र मुरली सिंह निवासी बावली तह० सादाबा, जिला मथुरा।

(अन्तरक)

(2) सुरेश चंद व अन्य पुत्र गण वेदराम निवासी मोहल्ला देवनगर, फिरोजाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाषण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम बावली तहसील सादाबाद जिला मथुरा 33700/- रु० में बेची गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 68280/- रु० है।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-5-1979  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 मई 1979

निदेश सं० 852-ए०—अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो  
मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
महाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 26-9-78

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तित्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

(1) श्रीमती अनुराधा पत्नी सरदार सिंह ग्राम ब  
डाक गेसूपुर, जखी पर० किठौर, जिला मेरठ।  
(अन्तरक)

(2) श्री शोरन सिंह सुपुत्र प्रीतम सिंह व अशोक  
कुमार व विनोद कुमार पुत्रगण शौरन सिंह ग्राम  
गेसूपुर जखी, पर० किठौर, जिला मेरठ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में लिखबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम गेसूपुर जखी परगना किठौर  
में 59,984/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी  
मूल्य 82,500/- रुपये आका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-5-1979  
मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 मई 1979

निदेश सं० 500/अर्जन/कानपुर/78-79—अतः मुझे, भ०  
च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 6-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से  
उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
रही करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

(1) श्रीमती रामजमकी वयस्क स्त्री राजाराम गुप्ता निवासी  
54/27 नयाराज; कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री पं. देवी सहाय पाण्डे वयस्क पुत्र पं० राम-  
शंकर पाण्डेय, जी-12, छावनी शान्ती नगर,  
कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 130/एल-1/6-ए बगाही  
कानपुर 89554/- रु० में बची गई जिसका कि अनुमानित  
उचित बाजारी मूल्य 160000/- रु० है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-5-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 मई 1979

निर्देश सं० 311-ए०—अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बुढाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 21-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन के बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जमशेद फातमा व नवरुल निसा पत्नी  
फिरोजज रहुमान ग्राम हुसैनपुर डा० खास पर०  
व तह० बुढाना जिला मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री महावीर सिंह व बलबीर सिंह व महीपाल  
सिंह सुपुत्र फारा सिंह ग्राम वैवा डा० खास,  
पर० छपरीली, तहसील बागपत, जिला मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रहोस्ताधरी के पाम लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— समे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम हुसैनपुर में 39,270/- रुपये में बेची  
गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 60,500/- रुपये आंका  
गया है।

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 2-5-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961-का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 मई 1979

निर्देश सं० 832-ए०—अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती लीला बती पत्नी श्री दर्शन लाल गुप्ता निवासी 40 तिलक रोड, देहरादून।

(अन्तरक)

(2) श्री सत्यपाल कुमार सुपुत्र श्री लक्ष्मन दास नि० ज्वालापुर, पर० ज्वालापुर (हरिद्वार)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि स्थित आर्यनगर ज्वालापुर परगना ज्वालापुर में 70,000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,03,200/- रुपये आंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-5-1979  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 मई, 1979

निदेश सं० 186-ए०—अतः मुझे भारत चन्द्र चयवर्दी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 15-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धार्याः—

(1) श्री सुखवश नारायण सिंह सुपुत्र श्री० रघुवंश  
नारायण सिंह व श्री विनय वंश नारायण सिंह  
अश्व वंश नारायण सिंह पुत्रगण सुखवश नारायण  
सिंह उत्तम बाटिका पश्चिमी कचहरी रोड, शहर  
मेरठ।

(अन्तरक)

(1) श्री बीरेन्द्र सिंह सुपुत्र रघुवीर सिंह मौजा मिवाड़ी  
परगना जलालाबाद, तहसील व जिला गाजियाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तदनुबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अहाता कोठी उत्तम बाटिका कचहरी रोड मेरठ में  
35000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी  
मूल्य 48,000/- रुपये आका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 1-5-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 मई 1979

निर्देश सं० 848-ए०—अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी  
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मबाना  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 20-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्-  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भूमि आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रणीत:—

(1) श्री जगत सिंह व नरेशपाल पुत्रगण श्री गजराज  
सिंह, निवासी ग्राम ऐतमादपुर, परगना किठौर,  
तहसील मबाना, पोस्ट ऐतमादपुर, जिला मेरठ।  
(अन्तरक)

(2) श्री महन्तर पाल, जिले सिंह संरक्षक जगत सिंह  
पुत्र गजराज सिंह ग्राम ऐतमादपुर परगना किठौर  
तहसील मबाना, पोस्ट ऐतमादपुर, जिला मेरठ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम ऐतमादपुर, परगना किठौर तहसील  
मबाना जिला मेरठ में 50,000/- रुपये की बेची गई जिसका  
उचित बाजारी मूल्य 99,500/- रुपये आंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 1-5-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 मई 1979

निदेश सं० 551/अर्जन/हाथरस/78-79—अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हाथरस में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रापबेती स्त्री राजेन्द्र प्रसाद निवासी ग्राम वागजानार तहसील डगवाभ हाल ग्राम खेडा परमोली, पो० मीनी परगना तहसील हाथरस, जिला अलीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलजारी लाल पुत्र पोखरमल, चेताराम पुत्र मोनपाल निवासी खेडा परमोली परगना व तहसील हाथरस, जिला अलीगढ़।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि सम्पत्ति खाना न० 112 स्थित ग्राम खेडा परमोली परगना व तहसील हाथरस, जिला अलीगढ़ 80000/- रुपये में बेची गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 91130/- रुपये है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज कानपुर।

तारीख : 2-5-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 मई, 1979

निर्देश सं० 548/अजन/इगलास/78-79—अतः मुझे भ०  
च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इगलास  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 7-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किमा आय का दावत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
घोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य धान्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री देवदत्त पुत्र नारायण प्रसाद निवासी 5 डा०  
इगलास, परगना गोरई, जिला अलीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री अरविन्द कुमार, राजकुमार बा० व कोमल  
कुमार, सुरेशकुमार, विजयकुमार (ना० बा०)  
पुत्रगण रचितदत्त शर्मा, संरक्षिका श्रीमती शिव-  
कुमारी (माता) निवासी डा० इगलास परगना  
गोरई, जिला अलीगढ़।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 11 बी० 11 बिस्वा० 10 बिस्वांसी स्थित  
इगलास 30000/- रुपये में बेची गई जिसका कि अनु-  
मानित उचित बाजारी मूल्य 90000/- रुपये है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-5-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

प्रायः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 मई 1979

निदेश सं० 483/अर्जन/किरावली/78-79—अतः मुझे  
भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, किरावली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

(1) श्री नत्थी लाल ग्राम रानमला तहसील किरावली जिला आगरा।

(अन्तरक)

(2) मै० पार्क लेदर इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 7 शू सेन्टर आगरा द्वारा किशन स्वरूप सचदेवा, डाइरेक्टर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि सम्पत्ति खमरा नं० 897 वामे मौजा रुकता तहसील किरावली जिला आगरा 105000/- रुपये में बँची गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 185000/- रु० है।

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख 3-5-79

मोहर :



शारूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 अप्रैल, 1979

निदेश सं० 185-ए०/पी० एन०/मेरठ/78-79—अतः

मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो

में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 15-9-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री निरंजन ला० दत्तक पुत्र ला० परशवी लाल  
निवासी मोहल्ला जुबलीगंज रजबन मेरठ कैन्ट।  
(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण चन्द्र उर्फ विष्णु पुत्र लाला मुसदी लाल  
नि० मोहल्ला जुबलीगंज, रजबन मेरठ कैन्ट।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति (मकान एवं दूकान) स्थित मोहल्ला  
जुबलीगंज, उर्फ गुरु गोविन्दपुरी, रजबन मेरठ कैन्ट। जो कि  
35,000/- रुपये में बेची गई जबकि उसका उचित बाजारी  
मूल्य 50,000/- रुपया है।

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-4-1979

मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंत रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 841-ए०—अतः मुझे भारत चतुर्वेदी घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय घाटमपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य भास्तिनों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्बाद :—

(1) श्री लक्ष्मी नारायण व सत्य नारायण पुत्र श्री दुलीचन्द शुक्ल, निवासीगण घाटमपुर डाकखाना घाटमपुर, जिला कामपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री राम कृष्ण शुक्ल सपुत्र इन्द्र नारायण शुक्ल निवासी जामू हाल मुकाम गुच्चुपुर व अननन्द कुमार आत्मज श्री जनपति प्रसाद निवासी गुजरा हाल मुकाम गुच्चुपुर, डाकखाना घाटमपुर, जिला कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त नमस्ति के ग्रजेंत के लिए कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति से ग्रजेंत के पंख में कां० ग० मानेवः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम गुच्चुपुर परगना घाटमपुर में 20,000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 55000/- रुपये आंकी गई है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रजेंत रेंज, कानपुर

तारीख 3-4-1979  
मोहरः

प्रकृष आर्डी०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 अप्रैल 1979

निदेश सं० 862-ए०—अतः मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः—

- (1) श्री रघुबीर सिंह पिसार बुद्धन निवासी ग्राम बदनीली परगना सरावा तहसील मेरठ जिला मेरठ। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुखपाली पत्नी इल्म सिंह, निवासी ग्राम बदनीली, परगना सरावा, तहसील मेरठ, जिला मेरठ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कुछ भूमि स्थित ग्राम बदनीली में 28,000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 56,550/- रुपये आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
(अर्जन रेंज), कानपुर।

तारीख : 4-4-79  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 अप्रैल 1979

निदेश सं० 772-ए०/सहारनपुर/78-79—अतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्याबर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-9-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तित्व (अस्तित्वों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया जा किया गया है:—

क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ला० त्रिलोक चन्द जैन पुत्र ला० गिरधारी लाल जैन निवासी कस्बा चिलकाना परगना सुल्तानपुर, जिला सहारनपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी पत्नी ला० रामकिशन अग्रवाल मो० जाफरनवाजखा, खालापार, (सहारनपुर)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्याबर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जिसमें मकान, फलदार तथा बिना फलदार वृक्ष लगे हैं एवं मोटर केरिंग पाइप आदि है जिसका कुल रकबा 19 बीघा 5 बिस्वा है जो कि 1,40,000/- में बेची गई है जबकि उसका अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 1,92,000/- रुपया है। उपरोक्त अचल सम्पत्ति ग्राम पटना उर्फ नयाबांस परगना सुल्तानपुर, तहसील नकड़ जिला सहारनपुर में स्थित है।

भ० च० चतुर्वेदी  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अजन रेंज, कानपुर

तारीख 9-4-1979  
मोहर:

प्ररूप आई.टी. नं० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अप्रैल, 1979

निदेश सं० 555/अर्जन/फिरोजाबाद/78-79—अतः सूचे  
भ० च० चतुर्वेदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है,  
और जिसकी सं० है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजाबाद के  
कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 4-10-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में लगी  
करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगद्वारा या किसी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रणीत :—

(1) श्री रतनलाल पुत्र फूलचंद, मुरारी लाल पुत्र  
मुखलाल, पुरुषोत्तम पुत्र पट्टमल निवासीगण  
हुली कस्बा फिरोजाबाद जिला आगरा।  
(अन्तरक)

(2) श्री गहजर अली, शमशाद अली, दसरत अली  
पुलगण मीर शौकत अली निवासीगण राईब  
हुसैनी फिरोजाबाद जिला आगरा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तदसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसिद्धस्तक्षरों के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय  
में दिया गया है।

### प्रमुख सूची

अचल सम्पत्ति आराजी 61900 वर्ग फुट स्थित दीदामई  
तहसील फिरोजाबाद जिला आगरा 61600/- रु० में बेंची  
गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 85500/-  
है।

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-4-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 अप्रैल 1979

निदेश सं० 636/अर्जन/आगरा/78-79—अतः मुझे भ०  
च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 4-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11-76GI/79

(1) श्री आनोक सहकारी गृह निर्माण समिति लि०,  
आगरा द्वारा सचिव राजेन्द्र सिंह कुलश्रेष्ठ पुत्र  
रामचरण लाल, निवासी बिल्लोचपुरा, आगरा।

(2) शारदा देवी स्त्री राजकुमार सिंह सेंगर निवासी  
आनोक नगर, आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नम्बरी 19 सी/10 स्थित नाथं  
साकेत आलोक कालोनी आगरा 48000/- रुपये में बेची  
गई है जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 65700/-  
आंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-4-1979

मोहर :

प्रकृष भाई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 अप्रैल 1979

निदेश सं० 882/अर्जन/आगरा/78-79—अतः मुझे भ०  
ख० ऋतुर्वेदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपाय अतः सूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 15-9-78  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वीरेन्द्र सिंह पुत्र राधा किशन निवासी प्रताप-  
पुरा, आगरा।

(अन्तरक)

(2) श्री किशोरी लाल पुत्र सुमेरा राम निवासी  
भाकनोना ताजगंज, आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति आराजी 878.636 वर्ग मीटर स्थित  
मौजा राजपुर परगना ब जिला आगरा 38000/- रु० में  
बेची गई जिसका कि उचित बाजारी मूल्य 65900/- रु० है।

भ० ख० ऋतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 17-4-1979  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अप्रैल 1979

निदेश सं० 500/अर्जन/माट/78-79—अतः मुझे भ०  
च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
माट (मथुरा) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 8-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मनोहर पुत्र ईश्वरी निवासी कमरेटिया खण्ड,  
भैसारो डा० राया परगना, तहसील माट, जिला  
मथुरा। (अन्तरक)

(2) श्री बच्चू सिंह, गिराज सिंह, डोरी सिंह वर्मा,  
पुत्रगण रूपसिंह निवासी नगला बक्षिणी खण्ड,  
सीयरा परगना व तहसील माट, जिला मथुरा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि खाता नं० 294 स्थित मौजा  
इतौली तहसील माट जिला मथुरा 30000/- रुपये में बेची  
गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 69440/- रु०  
है।

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 19-4-1979

मोहर :



## प्रकरण घाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कार्यालय कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निदेश सं० 381/कोल/अर्जन/78-79—अतः मुझे भ०  
च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल  
(अलीगढ़) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 24-10-78 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-  
रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मुरारी लाल सक्सेना पुत्र जयदयाल सक्सेना  
व सरला देवी सक्सेना स्त्री मुरारी लाल सक्सेना  
हाल निवासी ए०-39, माउथ एक्स्पेंशन पार्स  
1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश कुमार, राकेश कुमार, विनोद कुमार,  
प्रमोद कुमार ना० बानिगान पुत्रगण श्री वृन्दावन  
दास व मरकिका श्रीमती प्रेमवती देवी निवासी  
बाबरी मंडी, अलीगढ़।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाभा मन्त्रि के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वि-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

एक मंजिला मकान भूखाला खाना ताम्बारा पक्का  
मय बिजली व नल हाथ व चुंगी मय सिक्योरिटी स्थित  
जयगंज अलीगढ़ 45000/- रु० में बेचा गया जिसका कि  
अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 60000/- रु० है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-4-79

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एम०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निदेश सं० 560/अर्जन/1979/12, 78-9-अत मुझ,  
म० च० चतुर्वेदी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी म० ८ तथा जो  
में स्थित है (और इसका उपलब्ध दस्तावेजों में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के बंधन में परिलब्ध  
बाद में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1978 का  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री गुरारीलाल अग्रवाल पुत्र मुखलाल जी अग्रवाल  
निवासी माहूतका दुनी कस्बा फिरोजाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री धीरेंद्र कुमार गुप्ता, हरी ग्राम गुप्ता, आनन्द  
कुमार गुप्ता, श्री भगवान गुप्ता, पुत्रगण  
नाला ताल प्रमाण जी गुप्ता, निवासी माहूतका  
चनावर गेट, कस्बा फिरोजाबाद जिला आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए आवश्यकतया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अर्जन सम्पत्ति स्थित फिरोजाबाद, जिला आगरा में  
40000/- रु० में बेची गई जिसका कि अनुमानित उचित  
बाजारी मूल्य 60000/- रुपये है।

म० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख . 20-4-1979  
माहूर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 अप्रैल 1979

निदेश सं० 284-ए०/पी० एन०/सहारनपुर/78-79—

अतः मुझे भ० ख० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 26-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
एसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सरदार चनन सिंह पुत्र हरनाम सिंह नि० अम्बाला  
रोड, सहारनपुर। (अन्तरक)

(2) श्री लाल चन्द व हंसराज, सगन लाल पुत्रगण  
रजादाराम, श्रीमती विमला रानी पत्नी श्री  
लाल चन्द व श्रीमती मिराबादेवी पत्नी रजादा  
राम, निवासी क्वार्टर नं० जी-26, गोपाल  
नगर, नुमायश कैम्प, सहारनपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि रकबा 15 बीघा 14 बिस्सा स्थित भोजा  
खलीवाला प० व तह० व जिला सहारनपुर। जिसमें बिल्डिंग  
बाउण्डरी वाल, ट्यूबवेल, बिजली फिटिंग, मोटर आदि हैं  
जो कि 48,000/- रु० में बेंची गई जबकि उसका अनु-  
मानित उचित बाजारी मूल्य 78,000/- रुपये है।

भ० ख० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 24-4-1979

मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 अप्रैल 1979

निदेश सं० 170-ए०/पी० एन०/मुजफ्फरनगर/78-79—

अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं०

है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कैरना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 14-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी धाय या किमी धन या अन्य प्राप्तिव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किमा जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अन्तः—

(1) श्री रमेश चन्द पुत्र ला० प्यारे लाल निवासी  
कस्बा सामली, डा० खास, पर० शामली, जिला  
मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री रवीन्द्र कुमार पुत्र श्री खजान सिंह, नि०  
कस्बा, शामली डा० खास, पर० शामली, जिला  
मुजफ्फरनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दो दुकान क्षेत्रफल 2007 एवं 280 वर्ग फीट स्थित  
बाकें ग्राम शामली वैश्य कालेज रोड परगना शामली जिला  
मुजफ्फरनगर जोकि 30,000/- रुपये में बेची गई जिसका  
उचित बाजारी मूल्य 48,750/- रुपये है।

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, कानपुर

तारीख : 25-4-79

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 197-ए०/पी० एन०/मुजफ्फरनगर/78-79---

अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता/अधिकारी के कार्यालय, जानसठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्तिता—

(1) श्री धन मिह व सत्यपाल पुत्रगण खजान गोमाराम पुत्र कतवा निवासी माम शिवपुरी, डा० मीरापुर, जिला मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री मन्वान मिह व बाबूराम पुत्रगण घोटन मिह निवासी ग्राम अकबरपुर गढी, डा० मवाना, जिला मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना ह।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के दौरान पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ता-अरी के पास निहित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि रकबा 10 बीघा, 9 बिस्वा स्थित ग्राम जमालपुर बांगर पगरगता भुम्मा सम्भल हेडा, तहसील जानसठ जिला मुजफ्फरनगर जो कि 20,000/- रु० में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 41,920/- रु० है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-4-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 अप्रैल 1979

निदेश सं० 279-ए०/पी० एन०/सहारनपुर/78-79—

अतः मुझे भ० अ० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः :—

12-76GI/79

(1) श्रीमती हरप्यारी पत्नी गनेशी सिंह निवासी ग्राम कला रामपुर, जिला बदायुं, प० डिवाई। (अन्तरक)

(2) श्री ब्रह्मजीत, जगजीत नबालिजान पुत्रगण श्री आराम सिंह सा० मिनहरी, मजरा रामपुर, जिला सहारनपुर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त कबों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित बांके ग्राम रामपुर जिला सहारनपुर जो कि 45,000/- रुपये में बेची गयी जबकि उसका अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 90,000/- रुपया है।

भ० अ० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-4-1979

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 अप्रैल 1979

निदेश सं० 805-ए०/मुजफ्फरनगर/78-79—प्रतः मुझे  
भ० ख० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जानसठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 8-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हासिल में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मंगल पुत्र सागर निवासी ग्राम तोना, पर०  
खतौली, जिला मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री कैलाश चन्द्र व रमेश चन्द्र पुत्रगण श्री दीप-  
चन्द, नि० ग्राम खतौली, पर० खतौली, जिला  
मुजफ्फरनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम तोना पर० खतौली जिला मुज-  
फ्फरनगर जो कि 48,000/- रुपये में बँची गई जबकि  
उसका उचित बाजारी मूल्य 70,000/- रुपये है।

भ० ख० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-4-79  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 अप्रैल 1979

निवेश सं० 842-ए०/कानपुर/78-79—अतः मुझे, भ०  
च० चतुर्वेदी,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 27-9-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य प्राप्तिबो,  
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती जुम्मादेई बेवा बट्टी प्रसाद सा० भीतरगांव  
पोस्ट वारी भीतरगांव परगना घाटमपुर, जिला  
कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सर्वेश कुमार, अवधेश कुमार, नरेश कुमार,  
पुत्र हरिवंशनाथरायण साकिन भीतरगांव पोस्ट  
वारी भीतरगांव, परगना घाटमपुर, जिला कानपुर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेब:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि मोजा भीतरगांव परगना घाटमपुर जिला  
कानपुर में 40,000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित  
बाजारी मूल्य 83,500/- रुपया आंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-4-79

मोहर :



बकप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 अप्रैल, 1979

निदेश सं० 302-ए०/अर्जन/बुलन्दशहर—अतः मुझे भ०  
च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्द-  
शहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 15-9-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घास की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एकी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोधमार्ग अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन विम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीति :—

(1) श्री बृजबिहारी गुप्त पुत्र श्री ला० गिरधारी  
लाल निवासी सिविल लाइन्स, बुलन्दशहर  
(अन्तरक)

(2) श्री त्रिलोक सिंह व दीपचन्द्र पुत्र गण श्री पृथ्वी  
सिंह व श्यामेश्वर सिंह पुत्र दीपचन्द्र व श्यामपाल  
सिंह पुत्र त्रिलोक चन्द्र सभी निवासी गण ग्राम  
भवंदी शहर, अनूपशहर बुलन्दशहर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान (क्षेत्रफल 2280 वर्ग गज)  
स्थित मो० कोडियान शहर बुलन्दशहर जो कि 1,75,000/-  
रुपये में बँची गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी  
मूल्य 2,42,400/- रुपया है।

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 26-4-79  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 अप्रैल 1979

निदेश सं० 833-ए०/सुलन्द शहर/78-79—अतः मुझे,  
भ० च० षतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मिकन्दराबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 18-9-1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसों अन्तरण के लिये तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक से रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विजय सिंह व तारा सिंह पुत्र लखपत सिंह  
व करन सिंह पुत्र लखपत सिंह व परनाम सिंह  
व योगेन्द्र पाल सिंह पुत्रगण करन सिंह नि०  
ग्राम मराय जगन्नाथ, पर० सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री रामपाल व सुन्दर पाल पुत्रगण श्री नबाव  
सिंह व बीरपाल पुत्र धर्म सिंह उर्फ धर्मपाल  
सिंह व उदयपाल सिंह पुत्र विजयपाल सिंह नि०  
ग्राम सुखलाल पुरा (मिकन्दराबाद)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम सनेदपुर, परगना सिवान (सिक-  
न्दराबाद) जो कि 1,38,000/- रुपये में बेची गई जबकि  
उसका अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 3,28,000/- रुपये  
है।

भ० च० षतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 26-4-1979

मोहर :

प्राकृतिक माई० टी० एन० एन०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 अप्रैल, 1979

निदेश सं० 850-ए०—प्रतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मबाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाब की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाये में सुविधा के लिए।

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बचाए :—

(1) श्रीमती अनराधा पत्नी सरदार सिंह ग्राम व डाक : गैसपुर, जनुबी, परगना किठौर (मेरठ)।  
(अन्तरक)

(2) श्री सुशील कुमार पुत्र जगदीश व शान्ति देवी पत्नी जगदीश ग्राम व डाक : गैसपुर, जनुबी, पर० किठौर (मेरठ)।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम गैसपुर, डरबी पर० किठौर 59,984/- रुपये में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 82,500/- रुपये आंकी गई है।

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 26-4-79  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 अप्रैल 1979

निदेश सं० 860-ए०/गाजियाबाद/78-79—अतः मुझे,  
भ० च० चतुर्वेदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
से अधिक है

और जिनकी म० है तथा जो  
मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 25-9-78 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1),  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री राम कुमार गोयल पुत्र श्री भूरालाल निवासी  
हाल, 127, मोहल्ला कन्हैयालाल थलीपटवावाली व मनोहर  
नाल गुप्ता पुत्र लाला सागरमल नि० 287, राइट गं  
गाजियाबाद। (अन्तरक)

(2) श्रीमती माविली देवी पत्नी सत्यप्रकाश, राज  
कुमार, पवन कुमार, मुनेश कुमार, पुत्र  
सत्य प्रकाश, निवासी 43, कैलाशनालान, देहली  
गेट, गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
ह, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 87 क्षेत्रफल 200 वर्ग गज स्थित नवयुग  
मार्केट, गाजियाबाद जो कि 1,30,000/- रुपये में बेचा  
गया जिसका अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 2,40,000/-  
रुपये है।

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 26-4-1979  
मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 अप्रैल 1979

निदेश सं० 863-ए०/मेरठ/78-79—प्रतः मुझे, भ० व० चतुर्वेदी

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-9-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्थियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) की नीम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विनोद कुमार पुत्र ला० ओम प्रकाश मा० रुडकी, तहसील खास, जिला सहारनपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्री ज्ञानेन्द्र पान्डे पुत्र जी० डी० पण्डेय जवाहर क्वार्टर सिविल लाइन्स (मेरठ)।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोद्धताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नम्बर एच०-3 म्यू० नम्बर 86 जाबाहर कवाटर्स शहर मेरठ में 50,000/- रुपये का बेचा गया जिसका उचित बाजारी मूल्य 83,500/- रुपये आंका गया है।

भ० व० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 26-4-1979  
मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० टी० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 286-ए—अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-9-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार जें, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13—76GI/79

(1) श्री पी० सी० गोयल तथा श्रीमती कुमकुम गोयल निवासी के० बी० 78/8-ए, कबीनगर, गाजियाबाद ।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती इकबाल जहा बेगम पत्नी सहयद हजीजउर रहमान निवासी 413 गली मटिर महल जामा मस्जिद, दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गृह सम्पत्ति स्थित कबीनगर गाजियाबाद में 1,02,000/- रुपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,40,000/- रुपये आका गया है ।

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 27-4-79

मोहर

प्राप्ति आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० 794-ए०/मेरठ/78-79—अतः मुझे, भारत चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बागपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-9-1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से रुचि नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में रुकी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्री उपराव मिह सुपुत्र श्री होशियार मिह, निवासी तुगाना परगना छपरौली, तहसील बागपत जिला मेरठ। (अन्तरक)

(2) श्री श्याम मिह व रामचन्द्र मिह व सुष्मी मिह पुत्र होशियार मिह, निवासी तुगाना परगना छपरौली, तहसील बागपत, जिला मेरठ। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी आपक्षे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

बखोदकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम तुगाना में 1,25,000/- रुपये की बेची गई ज़िमका उचित बाजारी मूल्य 1,86,450/- रुपये आंका गया है।

भारत चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-4-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अप्रैल, 1979

निदेश सं० 826-ए०/मेरठ/78-79—अतः मुझे भ० च०  
चयवेंदी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिमकी सं० है तथा जो  
मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
भवाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 29-9-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का दृश्य प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
शेष ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य धास्तियों को,  
जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में;  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री मुनशरीफ पुत्र श्री शेरहीन व श्रीमती वकीला  
पत्नी मुनशरीफ निवासीगण फलाबदा डा० खास  
तहसील मवाना, जिला मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री विजय पाल सिंह व  
मनीष कुमार पुत्र श्री भोपाल सिंह निवासी  
मन्दवाडी, डा० फलाबाद तहसील मवाना, जिला  
मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि रकबा 61/3 स्थित ग्राम फलाबदा तहसील  
मवाना जिला मेरठ जो कि 43,900/- रुपये में बेची गई  
जिसका उचित बाजारी मूल्य 92,800/- रुपया है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 27-4-1979

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 अप्रैल, 1979

निदेश सं० 764-ए०/देहरादून/78-79—अतः मुझे, भ०  
च० चतुर्वेदी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और ज़िम्मेदारी सं० है तथा जो  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 28-9-1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती बेवती देवी बेवा स्व० श्री हरिश्चन्द्र गुप्ता,  
आनन्द स्वरूप, रघुनन्दन गुप्ता, पवन शुमार  
गुप्ता, प्रमोद कुमार गुप्ता, पुत्रगण श्रीमती गुप्ता,  
पुत्री स्व० श्री अमर नाथ नि० 44, सहारनपुर  
रोड, देहरादून।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला पुत्री चौ० श्रीराम नि० धनी  
रामपुरा, तहसील गुल्ला, जिला कुरुक्षेत्र (हार्-  
याना)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 44-ए (नया नं० 65) स्थित  
सहारनपुर रोड, देहरादून। जो कि 85,000/- रुपये में  
बेची गई जबकि उसकी अनुमानित बाजारी मूल्य 1,08,260/-  
रुपया है।

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-4-1979

मोहर :

प्राकृप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 अप्रैल, 1979

निदेश सं० 520/अर्जन/ग भादपुर/78-79—अतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एत्मादपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-9-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिस्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रति। अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अधिनियम में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अबतः।—

(1) श्री लक्ष्मी नारायण पुत्र राजनारायण निवासी आजादगली, आगरा व विष्णु बाबू पुत्र राम बाबू निवासी 136 अवतार सिंह रोड, कैन्ट। (अन्तरक)

(2) फर्म जी० सी० इन्डस्ट्रीज, बीम लंगड़े की चौकी बजरिये अनिल कुमार पुत्र राज नारायण अग्रवाल, निवासी आजादगली, आगरा (पार्टनर) (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही प्रबल होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अञ्चल सम्पत्ति आराजी प्लाट क्षेत्रफल 3000 वर्ग मीटर स्थित ग्राम जरायच मुस्तकिल परगना एत्मादपुर जिला आगरा 35000/- में बेची गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 60000/- रुपये है।

भ० च० चतुर्वेदी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 30-4-1979  
मोहर :

प्रारूप आई०टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती रमाली चौधरी, स्व० जयनाथ चौधरी  
ए० आर० रोड, गोहाटी, की पत्नी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 10 मई 1979

निदेश सं० ए०-218/गोहाटी/78-79/135-137—अतः

मुझे, राजेन्द्र नाथ बरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिनकी सं० दाग सं० 572 और पच्ची सं० 230 है  
तथा जो उल्लूबारी टाउन, मौजा उल्लूबारी, जिला कामरूप,  
गोहाटी (असम) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, गोहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-8-1978 का  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(2) 1. श्री हुकम चन्द जैन, 2. श्री निरंजन चक्रवर्ती  
3. श्री सरदा प्रसाद तिवारी, सभी गोहाटी  
के वासी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 1 (एक) बिगहा 2 (दो) कट्टा  
10 (दस) लमा जी उल्लूबारी टाउन, मौजा उल्लूबारी,  
जिला कामरूप, गोहाटी (असम) में स्थित है।राजेन्द्र नाथ बरा  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 10-5-1979

मोहर :

## SUPREME COURT OF INDIA

The 24th April 1979

New Delhi, the 2nd May 1979

## CORRIGENDUM

No. F.6/79-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri S. Banerjee, Assistant Registrar as Officiating Deputy Registrar, Supreme Court of India, with effect from the forenoon of 1st May, 1979, until further orders.

2. On his reversion from the Commission of Inquiry on Large Industrial Houses, Department of Industrial Development, Shri A. P. Bhandari has joined his duties as officiating Assistant Registrar in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of 1st May, 1979.

3. Shri R. N. Joshi who was officiating as Assistant Registrar reverts to his substantive post of Court Master with effect from 1st May 1979 (F.N.).

R. SUBBA RAO,  
Registrar (Admn.)

New Delhi, the 2nd May 1979

No. F.6/79-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri B. S. Jain, Assistant, as Officiating Section Officer, Supreme Court of India with effect from the forenoon of 1 May, 1979, until further orders.

MAHESH PRASAD,  
Deputy Registrar (Admn. J.)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 12th April 1979

No. A.11016/1/76-Admn.III.—In partial modification of para 2 of this Office Notification No. A.12025(ii)/1/77-Admn. III dated 12-3-79, Shri S. K. Arora, an officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission, has been appointed to perform the duties of Desk Officer for a period upto 18-4-79 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.11016/1/76-Admn.III.—In continuation of this Office Notification of even number dated 9-2-79, the President is pleased to appoint Shri Kishan Singh, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission, to perform the duties of Desk Officer for a further period of 4 months from 1-4-79 or until further orders, whichever is earlier, in the Office of Union Public Service Commission.

2. Shri Kishan Singh shall draw Special Pay @ Rs. 75/- per month, for the period he performs the duties of Desk Officer, in terms of Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 12/1/74-CS(I) dated 11-12-75.

No. A.32014/1/79-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis as Section Officer in the same cadre for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier.

| S. No | Name                     | Period for which promoted as Section Officer |
|-------|--------------------------|----------------------------------------------|
| 1.    | Shri B. R. Basra,        | 1-4-79 to 30-4-79.                           |
| 2.    | Shri N. M. L. Bhatnagar, | 1-4-79 to 30-4-79                            |
| 3.    | Shri K. P. Iyer,         | 10-4-79 to 30-4-79.                          |

The 20th April 1979

No. A.32013/2/77-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri V. N. Vaidyanathan, Assistant Planning Officer in the Directorate General, A.I.R. and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad-hoc* basis w.e.f. the forenoon of 20-4-79 to 19-7-79 or until further orders whichever is earlier, *vide* proviso to Regulation 4 read with Regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958.

No. A.11016/1/76-Admn.III.—In partial modification of this Office Notification of even number dated 24-2-79, the President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the Office of Union Public Service Commission with effect from the date indicated against each, until further orders.

| S. No. | Name                | Date of appointment |
|--------|---------------------|---------------------|
| 1.     | Shri G. P. Saxena,  | 15-2-1979.          |
| 2.     | Shri R. N. Khurana, | 1-3-79.             |
| 3.     | Shri B. S. Kapur,   | 1-3-79.             |
| 4.     | Shri J. P. Goel,    | 1-3-79.             |
| 5.     | Shri S. Srinivasan, | 1-3-79.             |
| 6.     | Shri D. P. Roy,     | 1-3-79.             |

The 27th April 1979

No. P/1857-Admn.I.—The appointment of Shri Gyan Prakash an Officer of the Indian Economic Service, as Officer on Special Duty (Advisers' Panel), on deputation, in the office of the Union Public Service Commission, has been extended upto 31-3-1980, or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN,  
Under Secretary (Admn.)  
Union Public Service Commission

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; A.R.)

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi the 3rd May 1979

No. V-4/71-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby grants proforma promotion to Shri Vishwa Mitra Mahajan, Public Prosecutor in C.B.I., who is at present on deputation as Assistant Legal Adviser, Enforcement Directorate, New Delhi to the rank of Senior Public Prosecutor in the Central Bureau of Investigation, with effect from 28-8-1978 on *ad-hoc* basis, and until further orders.

S. K. JHA,  
Dy. Director (Admn.)  
Central Bureau of Investigation

New Delhi, the 7th May 1979

No. R-8/73-Ad.v.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri R. Chakravarti, a retired Section Officer of the Ministry of Home Affairs Cadre, as Junior Analyst in the Central Bureau of Investigation with effect from 2-5-79 (F.N.) on re-employment basis for a period of three months or till regular substitute is selected and appointed in his place, whichever is earlier.

RIPDAMAN SINGH,  
Administrative Officer (A) C.B.I.

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE,

New Delhi-110001, the 5th May 1979

No. O II-1438/79-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Major A. R. Biswas (Retd.) as Asstt. Commandant in the CRPF until further orders.

2. Major A. R. Biswas took over charge of the post of Asstt. Commandant AWS-III CRPF Gauhati on the forenoon of 6th April, 1979.

The 7th May 1979

No. O II-1433/79-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. (Miss) Prameela Verma as a Senior Medical Officer (Commandant) in the CRP Force in a temporary capacity

with effect from the forenoon of 4th April, 1979 until further orders

No O II-1439/79-Estt—The President is pleased to appoint on deputation Shri S K. Podar, an officer of Indian Audit and Accounts Service as Deputy Director (Accounts) in the CRP Force wef 23.4.79 (FN) till further orders

No O II 1045/75-Estt—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr V Dalip Murty as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 17.12.78 for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier

A K BANDYOPADHYAY,  
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 5th May 1979

No E 16013(2)/6/74 Pers—On transfer on deputation Shri R P Singh IPS (WB-72), has assumed charge of the post of Commandant CISF Unit DSP Durgapur wef the afternoon of 11th April 1979 vice Shri V Sahai, IPS (WB 67) who on repatriation to State Cadre relinquished the charge of the said post with effect from the same date

A N BHALLA  
Inspector General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi 110011 the 4th May 1979

No 11/64/79-Ad I—The President is pleased to appoint Shri S R Chakraborty an officer belonging to the Manipur Tripura Cadre of the Indian Administrative Service as Director of Census Operations Tripura, Agartala with effect from the afternoon of 7 April 1979 until further orders

2 The headquarters of Shri Chakraborty will be at Agartala

V P PANDEY,  
Deputy Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR  
GENERAL OF INDIA  
NEW DELHI

No 1534—Consequent on his permanent absorption with the National Thermal Power Corporation Limited with effect from 1-4-78 sanctioned by the Government of India, Ministry of Finance Shri M L Aggarwal Audit Officer (Commercial) has retired from Government service from the same date

M S GROVER,  
Deputy Director (Commercial)

MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENERAL ORDNANCE FACTORIES  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 3rd May 1979

No 26/G/79—The President is pleased to appoint the under-mentioned Officers as Offg Managers/Sr DADGOF with effect from the date shown against them, until further orders

- (1) Shri R K Sarnaik, Pt DM 20th Feb 1979
- (2) Shri D Sen, Pt DM, 15th Feb 1979
- (3) Shri S P Pal Offg DM, 15th Feb 1979
- (4) Shri A R Basu Offg DM, 15th Feb 1979
- (5) Shri S B Pal Offg DM, 15th Feb 1979

V. K. MEHTA,  
Asstt Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 26th April 1979

No A-19018(409)/79 Adm (G)—The President is pleased to appoint Shri S M Meena, Deputy Director in the Bureau of Public Enterprises, Ministry of Finance, New Delhi as Director (Gr II) (Economic Investigation) Grade II of (IFS) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, with effect from the forenoon of 5th March, 1979, until further orders

The 3rd May 1979

No 12(521)/65-Adm (G)—The President is pleased to appoint Shri N G V Subramaniam Research Officer, in the Directorate General of Shipping Jhaz Bhavan, Walchand Hirachand Marg Bombay as Deputy Director (Expert Promotion) in Small Industries Service Institute, Bombay with effect from the forenoon of 30th March, 1979, until further orders

M P GUPTA,  
Deputy Director (Adm)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta 700016 the 30th April 1979

No 2318B-A-32013(1-Asstt Geol)/78/19A—The following Senior Technical Assistants (Geology) Geological Survey of India are appointed on promotion as Assistant Geologists in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs 650-30 740 35-810 EB-35-880 40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the dates shown against each, until further orders

- 1 Shri Sund Kumar Banerjee—25.1.79 (AN)
- 2 Shri Deb Kumar Deb Roy—30.1.79 (FN)
- 3 Shri S K Bhattacharya—25.1.79 (AN)
- 4 Mrs Sumitra Sen—25.1.79 (AN)

V S KRISHNASWAMY,  
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 4th May 1979

No A 19011(139)/72 Estt A—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri Ashok Kumar, Assistant Controller of Mines to the post of Deputy Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 20-3-79

S BALAGOPAL, Head of Office

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERALS OFFICE

Dehradun, the 4th May, 1979

No C-5494/707—The undermentioned officers are appointed officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs 650 30-740 35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on *ad-hoc* provisional basis

| Sl No | Name and Designation                        | Unit/Office                           | with effect from     |
|-------|---------------------------------------------|---------------------------------------|----------------------|
| 1     | Shri N C Thakurta, Draftsman Div I, Sel Gde | No 66(ACCM) Party (Surair) New Delhi  | 1st March, 1978 (FN) |
| 2     | Shri S S Rawat, Surveyor Sel Gde            | No. 65(TCM) Party (Surair) New Delhi. | 1st March, 1978 (FN) |

The 7th May 1979

No. C-5495/718-A.—Shri U. S. Srivastava, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post) on *ad-hoc* basis in Surveyor General's Office, Dehra Dun in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200 with effect from 14th April 1979 (F.N.) *vice* Shri R. S. Sharma, Establishment and Accounts Officer retired on 31-3-79 (A.N.).

K. L. KHOSLA, Major General  
Surveyor General of India  
(Appointing Authority)

## DIRECTORATE GENERAL

## ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 28th April 1979

No. 2/6/62-SII.—On attaining the age of superannuation Shri M. G. Victor, Administrative Officer, All India Radio, Tiruchirappalli has retired from Government Service with effect from 31-3-79 (A.N.).

S. V. SESHADRI, Dy. Dir. of Admn.  
*for* Director General

## MINISTRY OF INFORMATION &amp; BROADCASTING

## DIRECTORATE OF ADVERTISING &amp; VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 30th April, 1979

No. A. 12026/5/78-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Bhaskar Nayar, Technical Assistant (Advertising) to officiate as Assistant Media Executive in this Directorate on *Ad-hoc* basis with effect from 18th April, 1979 (Forenoon) *vide* Shri C. Abraham, Assistant Media Executive, proceeded on leave.

R. NARAYAN, Dy. Dir. (Advertising)  
*for* Director of Advertising & Visual Publicity

New Delhi, the 4th May 1979

No. A.38020/1/79-Est.—Shri P. S. Narayanan, a permanent Assistant Production Manager (Printed Publicity) of this Directorate expired on 25th April, 1979.

R. DEVASAR, Dy. Dir. (Admn.)  
*for* Director of Advertising & Visual Publicity

## MINISTRY OF HEALTH &amp; FAMILY WELFARE

## (DEPARTMENT OF HEALTH)

New Delhi, the 2nd May 1979

No. A.11013/1/79-PMS.—In this Ministry's Notification No. A.12011/1/78-H, dated the 11th April, 1978 for the words "Honorary Dental Adviser", the words "to the Director General of Health Services" may be substituted.

N. A. SUBRAMONEY, Under Secy.

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 2nd May 1979

No. A.12026/19/78(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. P. C. Sen, a Specialist Grade II officer of the Central Health Service to the post of Adviser (Nutrition) in the Directorate General of Health Services on an *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of the 30th March, 1979 until further orders.

S. L. KUTHIALA, Dy. Dir. Admn. (O&M)

## PRE-INVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehra Dun-248001, the 3rd May 1979

No. 4-4/79-Adm.—Shri S. S. Pande, Assistant Conservator of Forests, Maharashtra State (Thana Division, Thana), is hereby appointed as Assistant Conservator of Forests in Pre-investment Survey of Forest Resources, Central Zone, Nagpur on deputation basis *w.e.f.* 11th April, 1979 (FN) until further orders.

C. L. BHATIA, Chief Coordinator

## BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

## (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 2nd May 1979

No. G-1459/174-Med/Estt.I/1968.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Dr. Om Prakash Gupta a temporary Resident Medical Officer in the same Research Centre with effect from 28-2-1979 (A.N.).

T. T. PISHORI, Dy. Establishment Officer

Bombay-85, the 3rd May 1978

No. PA/81(4)/78-R-IV/866.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Pran Nath Sharma, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1978, until further orders.

No. PA/81(4)/78-R-IV/866.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Vasant Waman Bedekar, a permanent Scientific Assistant (B) and an officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1978, until further orders.

No. PA/81(4)/78-R-IV/866.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Trichur Krishnan Subramanian, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1978, until further orders.

The 8th May 1978

No. PA/87(6)/77-R-IV/867.—On transfer from the Central Railway, the Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints in a temporary capacity Shri Anil Vishnupant Kotwal, a permanent Highly Skilled Fitter (Electrical) and officiating A.C. Traction Instructor in the Central Railway, Bhusawal as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of December 1, 1977 until further orders.

The 29th December 1978

No. PA/81(19)/78-R-IV/868.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, Appoints Shri Remedios Conceicao Coutinho, a permanent Chargehand in the Bhabha Atomic Research Centre and officiating Foreman, as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1978 until further orders.

The 9th February 1979

No. PA/81(19)/78-R-IV/868.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned officers of VFC of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer Grade SB with effect from the forenoon of August 1, 1978 in the same Research Centre in an officiating capacity until further orders:—

| Sl. No. | Name                        | Permanent post held, if any | Officiating as           |
|---------|-----------------------------|-----------------------------|--------------------------|
| 1       | 2                           | 3                           | 4                        |
| 1.      | Shri Dwipondu Kumar Ghosh   | Scientific Assistant (B)    | Scientific Assistant (C) |
| 2.      | „ Tarun Kumar Dutta         | —                           | -do-                     |
| 3.      | „ Vishwas Vasudeo Tambwakar | —                           | -do-                     |

No. PA/81(19)/78-R-IV/868.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned officers of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer Grade SB with effect from the dates indicated under col. 5 against each, in the same Research Centre in an officiating capacity until further orders :—

| Sl. No. | Name                                                         | Permanent post held, if any | Officiating as           | Date        |
|---------|--------------------------------------------------------------|-----------------------------|--------------------------|-------------|
| 1       | 2                                                            | 3                           | 4                        | 5           |
| 1.      | Shri Tirumal Krishnarao Kunchur                              | —                           | Scientific Assistant (C) | 1-8-78 (FN) |
| 2.      | Shri Sheshu Bodharao Karwee                                  | —                           | Do.                      | Do.         |
| 3.      | Shri Perungulam Venkatachalam Sankaran                       | —                           | Do.                      | Do.         |
| 4.      | Shri Avinash Neelkanth Joshi                                 | Scientific Assistant (B)    | Do.                      | Do.         |
| 5.      | Shri Arvind Govind Taskar                                    | Chargehand                  | Foreman                  | Do.         |
| 6.      | Shri John Baptist Mendonza                                   | Assistant Foreman           | Do.                      | Do.         |
| 7.      | Smt. Girija Bharathan                                        | Scientific Assistant (A)    | Scientific Assistant (C) | Do.         |
| 8.      | Shri Sadanand Vasudev Malvankar                              | Do.                         | Do.                      | Do.         |
| 9.      | Shri Nagarmatt Devendra Nayak                                | Do.                         | Do.                      | Do.         |
| 10.     | Shri Sadashiv Hanama Shelke                                  | —                           | Do.                      | Do.         |
| 11.     | Shri Peri Appayya Somayajulu                                 | —                           | Do.                      | Do.         |
| 12.     | Shri Pravinchandra Vrajlal Vyas                              | —                           | Do.                      | Do.         |
| 13.     | Shri Vijay Kumar Sharma                                      | —                           | Scientific Assistant (A) | Do.         |
| 14.     | Shri Govindarajan Krishnamachari                             | Scientific Assistant (B)    | Scientific Assistant (C) | Do.         |
| 15.     | Shri Palamadai Narayanan Ramaswamy                           | Scientific Assistant (C)    | —                        | Do.         |
| 16.     | Shri Kanhaya Lal Popli                                       | Scientific Assistant (A)    | Scientific Assistant (C) | Do.         |
| 17.     | Shri Suresh Shriram Tambe                                    | —                           | Scientific Assistant (C) | 1-8-78 (FN) |
| 18.     | Shri Nilakantaiyer Sankaranarayanan                          | Scientific Assistant (B)    | Do.                      | Do.         |
| 19.     | Shri Arvindkumar Chandmal Bhuta                              | —                           | Do.                      | Do.         |
| 20.     | Shri Dayal Bhagwandas Talreja                                | —                           | Do.                      | Do.         |
| 21.     | Hariharan Kollathu Mani                                      | Scientific Assistant (B)    | Do.                      | Do.         |
| 22.     | Shri Rajendra Prakash Gupta                                  | Do.                         | Do.                      | Do.         |
| 23.     | Shri Mansubdar Madhwarao Venkatesh Murthy                    | —                           | Do.                      | Do.         |
| 24.     | Shri Plathodathil Thomas Thomas                              | —                           | Do.                      | Do.         |
| 25.     | Shri Vadakeveetile Koshy Abraham                             | —                           | Do.                      | Do.         |
| 26.     | Shri Tirumal Bukkapattanam Sheshshai                         | Scientific Assistant (A)    | Do.                      | Do.         |
| 27.     | Shri Chalakudi Venkatachalam Narayanan                       | Do.                         | Do.                      | Do.         |
| 28.     | Shri Joginder Singh                                          | D'man (A)                   | D'man (C)                | Do.         |
| 29.     | Shri Parameswaran Ramachandran                               | —                           | Scientific Assistant (C) | Do.         |
| 30.     | Shri Shridhar Murlidhar Limbkar                              | —                           | D'man (C)                | Do.         |
| 31.     | Shri Shantaram Pandurang Prabhu                              | Scientific Assistant (A)    | Scientific Assistant (C) | Do.         |
| 32.     | Vinappillil Kesava-Menon Sasidharan                          | Scientific Assistant (B)    | Do.                      | Do.         |
| 33.     | Shri Krishnamoorthy Swaminathan                              | Do.                         | Do.                      | Do.         |
| 34.     | Shri Puthanvcetil Ramachandran Menon                         | Scientific Assistant (A)    | Do.                      | Do.         |
| 35.     | Shri Durgadas Gangadhar Bagul                                | Scientific Assistant (B)    | Do.                      | Do.         |
| 36.     | Shri Sharad Vamanrao Benadikar                               | D'man (A)                   | D'man (C)                | Do.         |
| 37.     | Shri Madhavankalavakkethil Narayanapillai Balakrishna Pillai | —                           | Scientific Assistant (C) | Do.         |
| 38.     | Shri Thekkemappilly Raman Govindankutty                      | —                           | Do.                      | Do.         |
| 39.     | Shri Kurumthalackal Narayanapillai Chandrasekharan           | —                           | Do.                      | Do.         |
| 40.     | Shri Kollengode Sadasivan                                    | —                           | Do.                      | Do.         |

| 1                                                     | 2                        | 3                        | 4           | 5 |
|-------------------------------------------------------|--------------------------|--------------------------|-------------|---|
| 41. Shri Tapas Kumar Ray . . . . .                    | —                        | Scientific Assistant (C) | 1-8-78 (FN) |   |
| 42. Shri Sharad Raghawendra Joshi . . . . .           | —                        | Do.                      | Do.         |   |
| 43. Shri Pattarukattil John Chandy . . . . .          | —                        | Do.                      | Do.         |   |
| 44. Shri Panachickal Antony Varkey . . . . .          | —                        | Do.                      | 7-8-78 (FN) |   |
| 45. Shri Salil Suresh Datta . . . . .                 | —                        | Do.                      | 1-8-78 (FN) |   |
| 46. Shri Rajaram Ganapati Vedapathak . . . . .        | Scientific Assistant (B) | Do.                      | Do.         |   |
| 47. Shri Kocheekizhakkethil Chacko Thomas . . . . .   | —                        | Do.                      | Do.         |   |
| 48. Shri Ravindra Madhav Barve . . . . .              | —                        | Do.                      | Do.         |   |
| 49. Shri Romesh Kumar Budhwar . . . . .               | —                        | Scientific Assistant (B) | Do.         |   |
| 50. Shri Jagadishchandra Narottamdas Kapasi . . . . . | —                        | Scientific Assistant (C) | Do.         |   |
| 51. Shri Krishnaswami Ganapathiraman . . . . .        | —                        | Foreman                  | Do.         |   |
| 52. Smt. Mrudula Manoharlal Bakshi . . . . .          | Scientific Assistant (B) | Scientific Assistant (C) | Do.         |   |
| 53. Shri Nirmala Aziz Mirza . . . . .                 | —                        | Do.                      | Do.         |   |
| 54. Shri Murlidhar Vishwanath Jadhav . . . . .        | Scientific Assistant (B) | Do.                      | Do.         |   |
| 55. Shri Satish Krishna Kelkar . . . . .              | —                        | Do.                      | Do.         |   |
| 56. Shri Damodar Madhav Abhyankar . . . . .           | —                        | Do.                      | Do.         |   |

S. RANGANATHAN,  
Dy. Establishment Officer (R)

(DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY)  
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 26th April 1979

No. DPS/21(13)/78-Est/12187.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Mazharali Abdulla Shaikh, Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the same Directorate in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 28-3-79 FN until further orders.

K. P. JOSEPH, Administrative Officer

Madras-600 006, the 21st April 1979

No. MRPU/200(14)/79-Admn.—Consequent to the assumption of charge by Shri M. A. Shaik as Assistant Stores Officer in the Directorate of Purchase and Stores, Madras Atomic Power Project Stores, Kalpakkam with effect from the forenoon of March 2, 1979 Shri H. Ganapathy, Assistant Stores Officer (ad hoc) in the Directorate of Purchase and Stores, Madras Atomic Power Project Stores is reverted to the Post of Storekeeper in the same Unit with effect from the forenoon of March 28, 1979.

No. MRPU/200(16)/79-Admn.—The Director Purchase and Stores, Department of Atomic Energy is pleased to appoint Shri V. Balakrishnan an officiating storekeeper in the Directorate of Purchase and Stores, Madras Atomic Power Project Stores, Kalpakkam as officiating Assistant Stores Officer in the same unit with effect from the forenoon of February 27, 1979 until further orders.

Shri V. Balakrishnan assumed charge on the forenoon of February 27, 1979.

No. MRPU/200(12)/79-Admn.—The Director Purchase and Stores, Department of Atomic Energy is pleased to appoint Shri T. V. Ramaswami an Officiating Purchase Assistant in the Directorate of Purchase and Stores, Madras Regional Purchase Unit, Madras as Officiating Assistant Purchase Officer in the same unit with effect from the forenoon of April 16, 1979 to the afternoon of May 16, 1979.

No. MRPU/200(210)/79-Admn.—The Director Purchase and Stores, Department of Atomic Energy is pleased to appoint Shri M. A. Shaik an Officiating Storekeeper in the

Directorate of Purchase and Stores, Central Stores Unit, Trombay as Officiating Assistant Stores Officer in the Madras Atomic Power Project Stores of Directorate of Purchase and Stores, Kalpakkam with effect from the forenoon of March 28, 1979, until further orders.

Shri M. A. Shaik assumed charge on the forenoon of March 28, 1979.

S. RANGACHARY, Purchase Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 29th March 1979

No. PAR/0704/973.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri Bh. L. G. Sastry, an industrial temporary Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personnel Officer, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 14-3-1979 to 28-3-1979.

U. VASUDEVA RAO, Administrative Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 30th April 1979

No. RAPP/Rect/7(8)/79/S/263.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri M. A. Rajan, a permanent Upper Division Clerk in the Central Pool of Power Projects Engineering Division and officiating Selection Grade Clerk in Narora Atomic Power Project to officiate as an Officer in the Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650-960) in a temporary capacity in the Rajasthan Atomic Power Project with effect from the forenoon of 19th March, 1979 until further orders.

GOPAL SINGH, Administrative Officer (E)

for Chief Project Engineer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION  
(INDIAN METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 4th May 1979

No. E(1)03765.—On attaining the age of superannuation Shri T. S. Govindaswamy, Assistant Meteorologist, Office of the Director (Agricmet), Pune, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 28-2-1979.



No. E(1)04107.—On attaining the age of superannuation Shri A. K. Banerjee, Assistant Meteorologist of the Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 31-1-79.

The 5th May 1979

No. E(1)04255.—On attaining the age of superannuation Shri N. B. Ghosh, Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 31-3-1979.

No. E(1)05107.—On attaining the age of superannuation of Shri A. K. Banerjee, Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, India Meteorological Department retired from the Government service with effect from the afternoon of 29-2-1979.

G. R. GUPTA, Meteorologist  
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL  
AVIATION

New Delhi, the 30th April 1979

No. A.32014/1/79-EC.—In continuation of this Department Notification Nos. A.32014/1/78-EC, dt. 17-7-78 and A.32014/1/78-EC, dt. 16-11-78 and No. A.32014/1/78-EC, dt. 8-12-78, the Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following four Technical Assistants at present working as Assistant Technical Officer on ad-hoc basis to

No. A. 32013/9/78-EC.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/9/77-EC dated the 29th July, 1978 and modification of items 1 and 4 of Notification's No. A. 32013/9/73-EC dated 22-3-79, the President is pleased to sanction the continued ad-hoc appointment of the undermentioned Assistant Technical Officer to the grade of Technical Officer at the station and for the period indicated against each :—

| S. No. | Name             | Station of posting                              | Period of continued ad-hoc appointment |
|--------|------------------|-------------------------------------------------|----------------------------------------|
| S/Shri |                  |                                                 |                                        |
| 1.     | V. C. Reddy      | Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi. | Beyond upto 31-12-78<br>30-1-80        |
| 2.     | T. R. Shastri    | Aero. Comm. Stn, Bombay                         | Beyond upto 28-11-78<br>29-11-79       |
| 3.     | M. Aruldos       | Regional Controller of Communication, Madras    | Beyond upto 27-9-78<br>28-9-79         |
| 4.     | T. N. Mehta      | Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi  | Beyond upto 31-12-78                   |
| 5.     | K. Chandrachudan | Aero. Comm. Stn, Madras                         | Beyond upto 27-9-78<br>28-9-79         |
| 6.     | N. R. N. Iyengar | Aero. Comm. Stn, Gauhati                        | Beyond upto 27-9-78<br>28-9-79         |

This Department Notification No. A. 32013/9/78-EC, dated 3-4-79 is hereby cancelled.

The 3rd May 1979

No. A. 32014/1/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following four Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on regular basis with effect from the date and at the station indicated against each :—

| S. No. | Name                   | Present Stn. of posting      | Station to which posted    | Date of taking over charge |
|--------|------------------------|------------------------------|----------------------------|----------------------------|
| 1.     | Shri Ch. Venkatachalam | Aero. Comm. Stn, Nagpur      | Aero. Comm. Stn, Nagpur    | 30-3-79 (AN)               |
| 2.     | Shri B. Kumar          | Aero. Comm. Stn, Calcutta    | Aero. Comm. Stn, Calcutta. | 30-3-79 (FN)               |
| 3.     | Shri V. B. Chaugule    | Aero. Comm. Stn, Aurangabad. | Aero. Comm. Stn, Bombay.   | 31-3-79 (FN)               |
| 4.     | Shri V. K. Rastogi     | Aero. Comm. Stn, Bombay      | Aero. Comm. Stn, Bombay.   | 31-3-79 (FN)               |

S. D. SHARMA,  
Deputy Director of Administration.

the grade of Assistant Technical Officer on regular basis wef 23-3-79 at the station indicated against each :—

S. No., Name and Station of posting

1. Shri H. L. Aroia, Aero. Comm. Stn, Bombay.
2. Shri J. C. Ray Aero. Comm. Stn, Calcutta.
3. Shri R. N. Banerjee, Aero. Comm. Stn., Calcutta.
4. Shri Krishan Lal. Aero. Comm. Stn, Varanasi.

No. A. 32014/1/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following four Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on regular basis with effect from the date and at the station indicated against each :—

| S. No. | Name                     | Station of posting                              | Date of taking over charge |
|--------|--------------------------|-------------------------------------------------|----------------------------|
| 1.     | Shri S. N. Sampath       | Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi. | 26-3-79(FN)                |
| 2.     | Shri T. S. Krishnamurthy | Aero. Comm. Stn, Madras                         | 29-3-79(FN)                |
| 3.     | Shri K. Srinivasan       | Aero. Comm. Stn, Madras                         | 29-3-79(FN)                |
| 4.     | Shri N. N. Nambiar       | Aero. Comm. Stn, Madras                         | 31-3-79(FN)                |

No. A.32014/2/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri E. C. Lal, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station, Nagpur to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis wef 1-4-79 (FN) vice Shri K. V. Vasudevan, Assistant Communication Officer granted earned leave for 61 days wef 1-4-79 and to post him at the same station.

New Delhi, the 28th April 1979

No A 39013/5/79 EA—The Director General of Civil Aviation has been pleased to accept the resignation from Government service of Shri M S Sundaram, Asstt Aero drome Officer, Hyderabad Airport, with effect from the 22nd March, 1979 (AN)

V V. JOHRI, Asstt Dir Admn

New Delhi the 3rd May 1979

No A 12022 1/79 EI—The President is pleased to appoint Shri K S Bedi, an officiating Grade IV officer of Indian Statistical Service to the post of Statistical Officer in Civil Aviation Department with effect from the 12th April 1979 (Forenoon) and until further orders

C K VAISA, Asstt Dir Admn

## OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 2nd May 1979

No 1/338 79 Est—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A K Bose, Superintendent, New Delhi Branch, as Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity in the same Branch, with effect from the forenoon of the 25th May, 1978 and until further orders, purely on *ad hoc* basis

H I MALHOTRA, Dy Dir (Admn)  
for Director General

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi the 28th April 1979

No A 19012/690/78 Adm-V—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints on promotion Shri Thamanjit Singh, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs 650 30 740 35 810 EB-35 880-40 1000-FB 40 1200 on a purely temporary and *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 14th April, 1978 till the post is filled on regular basis

No A 19012/712/78-Adm V—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints on promotion Shri T Kannan, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs 650-30 740 35 810 EB-35 880-40-1000-EB 40-1200 on a purely temporary and *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 5th May, 1978 till the post is filled on regular basis

J K SAHA, Under Secy  
Central Water CommissionOFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS)  
(CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT)

New Delhi, the 26th April 1979

No. 23/77-ECII—The following officers of Central Public Works Deptt on attaining the age of superannuation (58 years) have retired from Govt Service with effect from 31-3-1979 AN.

| Name                    | Office from where retired                                               |
|-------------------------|-------------------------------------------------------------------------|
| 1 Shri S. R Chakraborty | Executive Engineer (Civil), Income Tax Deptt Valuation Cell, Calcutta.  |
| 2. Shri S G Chakraborty | Executive Engineer (Civil) Valuation Cell, Income Tax Deptt, Dibrugarh. |

| 1                | 2                                                                 |
|------------------|-------------------------------------------------------------------|
| 3 Shri B M Ghosh | Executive Engineer (Civil) Valuation Cell, Income Tax Deptt Ajmer |
| 4 Shri M B Ahuja | Executive Engineer (Elec), EO to Chief Engineer (Elect) New Delhi |

Th 1st M y 79

No 33/5/78-ECIX—The Director General of Works, CPWD, is pleased to appoint the undermentioned nominees of the U.P.S.C as Assistant Architect against temporary posts in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from the dates and pay shown against each —

| S. No. | Name         | Date of apptt. as Assistant Architect. | Pay                                            |
|--------|--------------|----------------------------------------|------------------------------------------------|
| S/Shri |              |                                        |                                                |
| 1      | R N. Kanojia | 4-4-1979(FN)                           | Rs 810/- p.m (next date of increment 1-4-80)   |
| 2      | B M Kapoor   | 28-3-1979(FN)                          | Rs. 710/- P.M. (next date of increment 1-3-80) |

2. Both the Officers are placed on probation for a period of two years from the dates of their appointment as Assistant Architects as shown above.

3 Shri Kanojia will continue to work in Senior Architect (NZ) X Unit, CPWD, R K Puram, New Delhi. Shri Kapoor is posted in Senior Architect(NZ)X Unit, CPWD, R K Puram, New Delhi with effect from 28-3-1979 (FN)

KRISHAN KANT  
Dy Dir cto of AdministrationOFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT  
NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 18th April 1979

No Admn/17-22/73—The Director of Audit, Northern Railway is pleased to appoint S/Shri Natha Lal Chopra, Tilok Chand Batta, Amar Nath Hans and Amolik Singh officiating Audit Officers in a substantive capacity in the Audit Officers grade with effect from 1-4-78, 1-4-78, 1-9-78 and 1-12-78 respectively

Km BHARTI PRASAD, Dy. Dir, of Audit  
Northern Railway

## REGISTRAR OF COMPANIES, GUJARAT

## NOTICE UNDER SECTION 445(2)

In the matter of the Companies Act 1956 and  
M/S Trimurti Agro Chemicals Ltd

Ahmedabad-380009, the 3rd May 1979

No 2047/Liquidation—By an order dated 11-10-1978 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No 37/1977 it has been ordered to wind up M/S Trimurti Agro Chemical Ltd

J. G GATHA, Registrar of Companies  
Gujarat

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
ERNAKULAM

Cochin-682016, the 27th April 1979

Ref. L.C. 296/78-79.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kayamkulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alleppey on 9-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Fathima Bai & Others,  
Puthenpandakasala,  
Chirakkadavu, Kayamkulam.

(Transferor)

- (2) Shri P. R. Nagu & Others,  
S/o P. Rajappan Pillai,  
Saranam Ayyappa Bhavan, Cheravally, Kayamkulam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

14 cents of land with building No. KMC XXIV/63 of Kayamkulam Village.—vide schedule to Document No. 1889/78 of SRO, Alleppey.

K. NARAYANA MENON,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam,

Date : 27-4-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1979

Ref. No. ASR/BTL/79-80/23.—Whereas I, M. L. Mahajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 52 Kanals, Chahal Teh. Batala. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala on 30th Aug. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Raghbir Singh son and Smt. Joginder Kaur-Bhupinder Kaur Bikramjit Kaur-Suvinder Kaur-Daljit Kaur Ds/o Sh. Inder Singh Resident of Chahal Tehsil Batala.

(Transferor)

(2) Shri Sucha Singh Jagat Singh-Chanan Singh ss/o Sh. Kishan Singh resident of Chahal Tehsil Batala P.O. Batala.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 52 Kanals situated at village Chahal Tehsil Batala as mentioned in the Regd. Deed No. 3773 of 30-8-78 of Registering Authority, Batala.  
Date : 1-5-1979.

M. L. MAHAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Date : 1-5-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Gurdit Singh s/o Isher Singh Batala, Faizpur Road.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajeev Kumar s/o Gosian Bhawani Dass 1/2 share Som Nath s/o Shri Kundan Lal 1/2 share, Faizpur Road, Batala.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property).

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 1st May 1979

Ref. No. ASR/BTL/79-80/24.—Whereas I, M. L. Mahajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Building (173'×26') situated at Faizpur Road, Batala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Batala on 27 Sep. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

20 Marlas land alongwith a shed (moulding shed building) measuring 55'×26', situated at Faizpur Road within Municipal limits, Batala as mentioned in the Regd. Deed No. 4044 dated 27-9-78 of Registering Authority, Batala

M. L. MAHAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Date : 1-5-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 25th April 1979

No. Acq. 23-I-1919(809)/10-1/78-79.—Whereas, I, S. C. Parikh,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. (1/2 share in land & building) C. S. No. 80A6  
situated Near Sajuba Girl's High School, Jamnagar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Jamnagar on 14-8-78  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

15—76GI/79

- (1) Shri Durbhalji Dayalji Budh and  
2. Shri Kishor Pranjivan Budh,  
Partners of :  
M/s. Bimalkishore & Co.  
Near Galaxy Talkies,  
Jamnagar.  
(Transferor)
- (2) Mukta Trusteeship Company Pvt. Ltd., 7-Donated  
Cross Land, Bombay-9.  
(Transferee)
- (3) 1. Shri Bhawan Khimji;  
2. Shri Bhupatsing Savji;  
3. Shri Keshavji Amarshi;  
4. Shri Mangal Amarshi;  
5. Shri Natwarlal Hiralal  
6. Shri M. M. Lakhani.  
7. Shri Ravishanker Dayashanker.  
8. Shri Vithal Pragji.  
9. Shri Jeram Dasa.  
10. Shri Ratilal Mayashanker.  
11. United Commercial Bank.  
All residing :  
Opp. Sajuba High School, Dipak Talkies, Jamnagar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share in land and building bearing C.S. No. 80A6  
standing on total land admeasuring 1319.70 sq. meters, situ-  
ated near Sajuba Girl's High School, Jamnagar and as fully  
described in the sale-deed registered vide Registration No.  
1741 dated 14-8-1978.

S. C. PARIKH  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Ahmedabad

Date : 25-4-1979.  
Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I  
MADRAS

Madras-600 006, the 27th April 1979

Ref. No. 41 Aug. 78—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 'High Field Estate' situated at Asamboor Village, Yercaud Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Yercaud on 21-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Chairman,  
(Father Michael Doraiswamy),  
Salem Diocese Society,  
Bishops House,  
Salem-7.

(Transferor)

(2) Smt. K. R. Lalitha,  
W/o. Dr. K. N. Rangachari,  
116-A, Omalur Main Road,  
Salem-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of property as in Document no. 148/78, viz. 'High Field Estate' (Total extent 223.41 acres) situate at Asamboor Village, Yercaud Tk, Salem Distt.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006.

Date : 27-4-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) The Chairman  
(Father Michael Doraiswami)  
Salem Diocese Society,  
Bishops House  
Salem-7

(Transferor)

(2) Shri T. S. Narasimhan,  
49, Bungalow Street,  
Shevapet,  
Salem-2

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 27th April 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'said  
Act', shall have the same meaning as given  
in that Chapter

Ref No 42 Aug 1978 —Whereas I, O ANANDARAM,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-  
and bearing No.

'High Field Estate' situated at Asamboor Village, Yercaud  
Taluk

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering officer at  
SKO, Yercaud (Document No 149 78) on 21 8 1978

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration and that the consi-  
deration for such transfer as agreed to between the parties has  
not been truly stated in the said instrument of transfer with  
the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the  
said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the of this notice under sub section  
(1) of Section 269 D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to  
the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Part of property as in Document No 149/78, viz 'High  
Field Estate' (Total extent 223 41 acres) situate at Asamboor  
Village, Yercaud T Salem Dt

O ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I  
Madras-600 006

Date 27-4-1979

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 27th April 1979

Ref. No. 43 Aug. 79.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 'High Field Estate', situated at Asamboor Village, Yercaud Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Yercaud (Document No. 159/78) on 21 Aug. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Chairman,  
(Father Michael Doraiswami)  
Salem Diocese Society,  
Bishop's House,  
Salem-7.

(Transferors)

(2) Shrimt. K. R. Vasantha,  
W/o. Shri K. S. Rengachari,  
99, Adivenachalapati Iyer St.,  
Shevapet, Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of property as in Document No. 150/78, viz. 'High Field Estate' (Total extent 223.41 acres) situate at Asamboor Village, Yercaud Tk., Salem Distt.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006.

Date : 27-4-1979.  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 27th April 1979

Ref. No. 44 Aug. 78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 'High Field Estate' situated at Asamboor Village, Yercaud Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Yercaud (Document No. 151/78) on 21 Aug. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Chairman,  
(Father Michael Doraiswami),  
Salem Diocese Society,  
Bishop's House,  
Salem-7.

(Transferor)

- (2) Smt. T. N. Vairamani,  
W/o. Shri T. S. Narasimhan,  
49, Bungalow St.,  
Shevapet, Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Part of property, as in document no. 151/78, viz. 'High Field Estate' (Total extent 223.41 acres) situate at Asamboor Village, Yercaud Tk., Salem Dt.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006.

Date 27-4-1979.  
Seal :

## FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 27th April 1979

Ref. No. 45 Aug. 1978.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 'High Field Estate', situated at Asamboor Village, Yercaud Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Yercaud (Document No. 152/78) on 21 Aug. 1978. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Chairman,  
(Father Michael Doraiswami),  
Salem Diocese Society,  
Bishop's House,  
Salem-7.

(Transferor)

(2) Miss T. N. Geetha,  
D/o. Shri T. S. Narasimhan,  
49, Bungalow Street,  
Shevapet,  
Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of property, as in Document No. 152/78, viz. 'High Field Estate' (Total extent 223.41 acres) situate at Asamboor Village, Yercaud Tk., Salem Distt.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600006.

Date : 27-4-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 27th April 1979

Ref. No. 46 Aug. 78.—Whereas I, O. Anandaram, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 'High Field Estate', situated at Asamboor Village, Yercaud Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO, Yercaud (Document No. 153/78) on 21-8-1978, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Chairman, (Fr. Michael Doraiswami),  
Salem Diocese Society,  
Bishop's House,  
Salem-7.

(Transferor)

- (2) Shri T. N. Sekar,  
S/o. Shri T. S. Narasimhan,  
49, Bungalow Street,  
Shevapet, Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of property, as in Document No. 153/78, viz. 'High Field Estate' (Total extent 223.41 acres) situate at Asamboor Village, Yercaud Tk., Salem Distt.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006.

Date : 27-4-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHATINDA

Bhatinda, the 7th May 1979

Ref. No. AP 555/BD/79-80.—Whereas I, P. N. Malik, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Sept. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Miss Krishna Kumari Urf Krishna Devi d/o Mohan Lal 387-A, Power House, Road, Bhatinda.  
(Transferor)
- (2) S/Sh. Bakshish Singh, Gura Singh ss/o Jagir Singh  
(2) S/Sh. Sukhdev Singh, Ranjit Singh ss/o Sarwan Singh, V. Tungwali, Bhatinda.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storey building on Power House Road, Bhatinda as per registration deed No. 3507 of September 1978 registered with the S. R. Bhatinda.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 7-5-79.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Pritam Kaur wd/o Mohan Lal H. No. 387-A,  
Power House Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) S. Sh. Bakshish Singh & Gura Singh ss/o Jagir Singh  
(2) S/Sh. Sukhdev Singh, Ranjit Singh ss/o Sarwan  
Singh, V. Tungwali, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE  
BHATINDA

Bhatinda the 7th May 1979

Ref. No. AP 556/BTI/79-80.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per schedule  
situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Sept 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

16—76GU 79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storey building on Power House Road, Bhatinda as per sale deed No. 3506 of September, 1978 registered with the S. R. Bhatinda.

P. N. MALIK.

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 7-5-79.

Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
BOMBAY

Bombay, the 27th April 1979

Ref. No. AR-I/4024-7/Oct.78.—Whereas I, V. S. Seshadri, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C. S. No. 546 of Mal & Cum. III Divn. situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-10-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Jagdish Amratlal Karia, (2) Dalip Balachand Mehta, (Transferor)  
(2) (1) Rupshi Jechand Sheth, and (2) Mrs. Premubai Rupshi Sheth (Transferees)  
(3) Tenants :—  
1. Mrs. Shakuntala Kadani,  
2. Mrs. Rukhiben Shamdasani,  
3. Rupshi Jechand Sheth,  
4. V. V. Adarkar,  
5. B. S. Kasbekar,  
6. J. Mehta & Co. (Part of outhouse),  
7. Mr. V. Y. Tonte, (Party of 1st flr of outhouse)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 586/78 & D (Bom) and registered on 6-10-1978.

V. S. SESHADRI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
Bombay.

Date : 27-4-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BOMBAY

Bombay, the 30th April 1979

Ref No. AR-L/4066-39/Oct.78.—Whereas I. V. S. Sheshadri being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 10/593 of Malabar Cumballa Hill Divn. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 21-10-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. K. J. Khambatta, 2. B. H. Bhiwandiwalla, 3 T. P. Mehta, 4. P. K. Khambatta, the present Trustees of Late Seth Phirozeshah R. Mehta & Bai Dinbai Phirozeshah Mehta Charity Trust.

(Transferor)

- (2) Mrs. Nazli A. Tobaccowala S. A. Tobaccowalla and M. H. A. Tobaccowala Kailash Darshan Kennedy Bridge, Bombay-7.

- (3) List of Tenants :

1. Mrs. A. M. Zawani
2. Sultan Nathani
3. H. G. Malkani
4. P. R. Wallace & Sons
5. Mrs. P. B. Tata
6. M. I. Choksi
7. Mrs. R. F. Allana
8. Mrs. R. I. Allana (1 Garage)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom 1289/77 and Registered on 21-10-1978 with the Sub-Registrar, Bombay.

V. S. SESHADRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Bombay

Date : 30-4-1979.

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA 16

Calcutta the 24th February 1979

Ref No. Sl. 480 TR-457/C-406/Cal-II/78-79.—Whereas I, V. S. Juneja, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 situated at Orient Row, Park Circus, Cal-17, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Sealdah, Calcutta, on 2-8-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Mrs. Madhuri Sinha Chowdhury, (Transferor)  
(2) Mrs. Manashi Roy Chowdhury, (Transferor)  
(3) Nirjon Synthetic Co. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land of 450 Sft being portion of undivided land measuring 3 Cot. 2Ch. along with 2 storied building situated thereon at 3, Orient Row, Calcutta-17 with Deed No. 4560 and registered with the Sub-Registrar on 2-8-78.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor)  
Calcutta-16

Date : 24-2-79  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA

Calcutta, the 26th February 1979

Ref. No. Sl. 481/TR-388 C-372/Cd-1 78-79.—Whereas I, I. V. S. Juneja, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 43, 43/1 & 43/2 situated at Beniapukur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt Place North Calcutta, on 14-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :

(1) Dr. Phanendra Nath Brahmachari and Dr. Nirmal Kumar Brahmachari both of 19, U. N. Brahmachari St., Calcutta.

(Transferor)

(2) Milli Educational Organisation,  
10, Tantibagan Rd., Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two-storied building with land measuring 14 Cottahs 15 ch 19 sft. more or less being premises Nos. 43, 43/1 & 43/2 Beniapukur St., Calcutta and registered with Registrar of Assurances, Calcutta being No. I 4075 dt. 14-8-78

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta.

Dated : 26-2-79

Seal :

**FORM ITNS**(1) Shri J. Mista B-23, Greater Kailash, New Delhi-48.  
(Transfeor)(2) Shri S. R. Ganeriwala & Sons, 99E, Block-F, New  
Alipore, Calcutta.  
(Transferee)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA**

Calcutta, the 26th February 1979

Ref. No. AC-46/R-II/Cal/78-79.—Whereas I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 25/S situated at Block-B, New Alipore, Calcutta-53,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 2-8-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 6.92 cottahs being plot No. 25/S, Block-B, New Alipore, Calcutta.

S. C. YADAV,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Calcutta-16

Date : 26-2-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Radhanani Paul, 22, Ballygunj Park Rd., Flat No. 402, Calcutta

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sitaram Goel, 207, Maharshi Debendra Road, Calcutta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA

Calcutta, the 6th March 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-47/R-II/Cal. 78-79.—Whereas I, S. C. YADAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2/2A, situated at Burdwan Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 21-8-1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 6-Cottahs 13-chittaks &amp; 21-sq. ft. being premises No. 2/2A, Burdwan Road, Calcutta.

S. C. YADAV  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Calcutta-16

Date : 6-3 1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA

Calcutta the 6th March 1979

Ref. No. Ac-48/R-II Cal/78-79.—Whereas I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 23A/156/2, situated at Diamond Harbour Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Distt. Registrar, 24-Parganas, Alipore, on 11-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Protima Ghosh, C/o. Mr. A. R. Ghosh, No. 15, Sarat Chatterjee Avenue, Calcutta.  
(Transferor)
- (2) Shri Sanat Kumar Saha 107 'F' Block, New Alipore Calcutta-53  
(Transferee)
- (3) (i) M/s. Industrial Ventilation Co  
(ii) Mr. E. W. Edhe.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 371.23 sq. metres together with three storeyed building being premises No. 23A/156/2, Diamond Harbour Road Calcutta

S. C. YADAV  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Calcutta-16

Date : 6-3-1979.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ashok Kumar Goenka, 9, Jagmohan Mullick Lane, Calcutta-7.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinod Kanoi, 24, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA

Calcutta, the 8th March 1979

Ref. No. Ac-49/R-II/Cal/78-79.—Whereas I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6, situated at Ashoka Road, Alipore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta, on 16-8-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—76GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4-cottahs, 14-chittaks & 7-sq. ft. being a portion of 6, Ashoka Road on the south-west corner thereof, Alipore, in the District of 24-Parganas.

S. C. YADAV  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Calcutta-16

Date : 8-3-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA

Calcutta, the 12th March 1979

Ref. No. Sl. 489/TR-392/C-368/Cal-I/78-79.—Whereas I, I. V. S. Juneja, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 79 situated at Dr. Lalmohon Bhattacharya Road, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 9-8-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Sambhunath Chunder 31, Tarachand Dutta St., Cal.  
(Transferee)
- (2) Shri Sachi Nath Kumar & Mrs. Kalpana Kumar  
154/H/1 Linton St., Calcutta.  
(Transferee)
- (3) M/s. Canton Carpentry Works.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (3) M/s. Canton Carpentry Works.  
(Person in occupation of the property)

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

North-western portion of premises No. 79, Dr. Lalmohon Bhattacharya Road, Calcutta, together with a portion of one storied dilapidated building containing land 5 Cottahs 4 chitacks 18 sft. as registered with the Registrar of Assurance Calcutta vide deed No. I-3949 dt. 9-8-1978.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Calcutta

Date : 12-3-1979  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE II  
CALCUTTA

Calcutta, the 16th March 1979

Ref No AC-51/R-II/Cal/78-79 —Whereas I, S C Yadav being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 11 situated at Branfield Row, Calcutta 27, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Distt Registrar, 24-Parganas, Alipore on 4-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Smarajit Sinha 11, Branfield Row, Calcutta-27  
(Transferor)  
(2) Smt. Suniti Biswas, 40A, Branfield Row, Calcutta-  
(Transferee)  
(3) (i) Shri Muktar Singh, (ii) Ramadhar Singh, (iii)  
P. N. Singh, (iv) Murali Das, (v) R. P. Singh  
(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A two-storeyed brick built building known as 'Servants Quarters' comprising of an area of 30 cottahs, 4-chittaks & 20-sq. ft. situated on the north-west portion of the premises No 11, Branfield Row, Calcutta-27

S. C. YADAV  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Calcutta-16

Date 16-3-1979  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Smt. Ramola Devi, 42, Ekbalpore Road, Calcutta-23.

(Transferor)

(2) Shri Mohammed Ayaz, 189, Park Street, Calcutta-17.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 21st March 1979

Ref. No. AC-52/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 42 situated at Ekbalpore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Distt. Registrar, 24-Parganas, Alipore on 22-8-1978 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 10-cottahs, 4-chittaks & 22-sq. ft. with two-storeyed pucca brick built building being premises No. 42, Ekbalpore Road, Calcutta-23.

S. C. YADAV,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta-16.

Dated : 21-3-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE IV CALCUTTA

Calcutta, the 22nd March 1979

Ref No AC 78/Acq R IV/Cal/78 79 —Whereas, I,  
S K DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and being No

Mouza Chakgaria situated at P S Kasba, C S Dag No 1 Dist, 24-Pgs

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 14-8 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —  
15—66GI/79

(1) M/s Suburban Agriculture Diary and Fisheries Pvt. Ltd

(Transferor)

(2) Shri Pulak Ranjan Deb

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 15 bighas situated at Mouza Chakgaria, P S Kasba, C S Dag No. 1, Dist 24-Pgs, more particularly as per deed No 4833 of 1978

S K DASGUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Dated 22-3-1979  
Seal

## FORM ITNS

(1) Suarban Agriculture Diary & Fisheries Pvt. Ltd.  
Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pulak Ranjan Deb.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd March 1979

Ref. No. AC-79/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, J, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mouza Chakgaria situated at P. S. Kasba, R. S. Dag No. 1, Dist : 24-Pgs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 21-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 15 bighas situated at Mouza Chakgaria, P.S. Kasba, R. S. Dag No. 1, Dist., 24-Pgs., more particularly as per deed No. 4952.

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-IV, Calcutta.

Dated : 22-3-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Md. Yakub.

(Transferor)

(2) Shri Akbar Ali.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA

Calcutta, the 26th March 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Sb. 490/TR-396/C-343/Cal-1/78-79.—Whereas, I, V S SUNFIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 situated at Blockman St., Cal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Two storeyed building without houses along with land measuring 4 Cot. 6 Ch 8 Sft. being premises No. 5, Blockman St., Calcutta registered before the Registrar of Assurance, Cal. being No I-4035 of 1978.

I, V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

Dated : 26-3-78  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Kamal Krishna Ghosh & others.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hindustan Enterprise, 2A, Garcha 1st Lane, Calcutta.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta-16, the 27th March 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 464/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3/2A situated at Garcha First Lane, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 7-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 7 cottahs 4 chittacks 21 sq. ft. together with building standing thereon at premises No. 3/2A, Garcha 1st Lane, Calcutta.

VASKAR SEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 27-3-1979  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sukumar Mukherjee,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Krishna Pada Das,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 28 March 1979

Ref. No. AC-80/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Mouza 92 Krishna Nagar situated at P. S. Kotwali, Dist. Nadia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadia on 25-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—76GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land (with structure) measuring 11 acres at P. S. Kotwali, Mouza 92 Krishna Nagar, Dist., Nadia, more particularly as per deed No. 9109 of 1978.

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV Calcutta.

Dated : 28-3-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 28th March 1979

Ref. AC-81/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mouza No. 92 Krishna Nagar situated at P. S. Kotwali, Dist : Nadia No. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nadia on 28-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sri Sukumar Mukherjee

(Transferor)

(2) Shri Sri Krishna Pada Das,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land (with structure) measuring 11 acres at P. S. Kotwali, Mouza no. 92 Krishna Nagar, Dist : Nadia, more particularly as per deed no. 9120 of 1978.

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 28-3-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Kalabati Debi Swarup.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balai Chand Ghosh & Smt. Priyabala Ghosh.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 28th March 1979

Ref. No. AC-82/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S K. DASGUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nachan Road situated at Benachity, Durgapur-13, Dist. Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raniganj on 4-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3 cottahs at Nachan Road, Benachity, Durgapur-13 Dist. Burdwan, more particularly as per deed no. 3855 of 1978.

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Calcutta.

Dated : 28-3-1979.  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Rebanta Basu

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Janmenjoy Rang.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 4th April 1979

Ref. AC-1/Acq R-IV/Cal/79-80 —Whereas, I,  
S K DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Kh No 1785 situated at Mouza Tardah, P S Bhangore, Dist 24-Pgs

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Barasat on 17-8 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 549 acres situated at Mouza Tardah P S Bhangore Katian No 1785, Dist 24-Pgs Dag No 1467 covered and transferred by and more particularly described in the deeds being nos 2383, 2384 and 2385 all for the year 1978

S K DASGUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Calcutta-16Dated 4-4-1979  
Seal

FORM ITNS—

(1) Sri Rebanta Basu

(Transferor)

(2) Sri Srish Chandra Rang.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 4th April 1979

Ref. No AC 2/Acq R IV/Cal/79-80—Whereas, I, S K DASGUPTA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

I L No 38 Mouza Tardah, P S Bhagore, Dist -24-Pgs and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barasat on 17-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3.66 acres situated at Mouza Tardah P S Bhagore J.L. No 38 covered and transferred by and more particularly as per deed Nos 2386, 2387 of 1978

S K DASGUPTA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range IV, Calcutta,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 4-4-1979

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Rebanta Basu.

(Transferor)

(2) Sri Abhimanyu Rang.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 4th April 1979

Ref. No. AC-3/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to be-  
lieve that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000 and bearing  
Khatian No. 1785, situated at Mouza Tardah Kapashat, P.S.  
Bhangore, Dist. 24-Parganas  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Barasat on 24-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property, and I have reasons to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3.66 acres  
situated at Mouza Tardah Kapashat, P.S. Bhangore, kh. No.  
1785, Dag No. 1465, Dist. 24-Parganas, covered and trans-  
ferred by and more particularly as per deeds being No. 2427  
and 2428 both for the year 1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 4-4-1979  
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rebanta Basu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mritunjoy Rang.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 4th April 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AC-4/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khatian No. 1274 situated at Mouza Tardah Kupashat, Dist. 24-Pgs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barasat on 24-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereon by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
22—66GL/79

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5.49 acres situated at Mouza Tardah Kapashat, P.S. Bhangore, Kh. No. 1274, Dag No. 1465 Dist. 24-Pgs, covered and transferred by and more particularly as per deed Nos. 2429, 2430 and 2431 of 1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 4-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 4th April 1979

Ref. No. AC-8/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K.  
DASGUPTA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing J.L. No. 110 situated at P.S. Siliguri, Dist. Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 9-8-1978 and 22-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Jhabarmall Pipalwa @ Sharma,  
Gandhar Pipalwa @ Sharma,  
Kishore Kumar Pipalwa @ Sharma,  
Ashoke Kumar Pipalwa @ Sharma,  
Pawan Kumar Pipalwa @ Sharma and  
Lalit Kumar Pipalwa @ Sharma.

(Transferor)

(2) Shyama Devi Agarwala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring .060 acres & building thereon situated at District Darjeeling P.S. & Mouza Siliguri, J.L. No. 110, Kh. No. 2395, Plot No. 8486, as more particularly described in and covered and transferred by the deeds being No. 4579 dated 7-8-78 and 4671 dated 14-8-1978.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16,

Date : 4-4-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 285-A/PN/Saharanpur/78-79—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 28.9.78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

19—76GI/79

(1) Smt. Navin Devi w/o Sri Deep Chand of village Kapoorpur Rumi Post, Parg. Tah. & Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Sander Swarup Singh s/o Sander Mahtab Singh, Raj Kumar, Ashok Kumar Prian Haveli Ram u/o Gururwaru Road, Saharanpur.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property situated at village Kapoorpur sold for an apparent consideration of Rs. 37,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 56,760/-

B. C. CHATURVEDI,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Dated - 27-3-1979

Seal :

## FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 292-A/PN.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Deoband on 19-9-78

which is less than the fair market value of the aforesaid pro-  
perty and I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-  
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Shri Asmar s/o Budhu village Kendaki Post Bhopali  
Parg. & Teh. Deoband, Saharanpur,  
(Transferor)  
(2) Shri Om Parkash s/o Nathu r/o village Talhedi Par-  
gana Nagal Distt. Saharanpur,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Talhedi Parg. Nagal, Sharan-  
pur sold for an apparent consideration of Rs. 20,000/- the fair  
market value of which has been determined at Rs. 55,320/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 27-3-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 374-A/Pn/Kanpur. —Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 27-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt Malti Dubey w/o Late Badia Pd. Dubey 118/233 Kaushalpuri, Kanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Asharfi Lal Srivastava s/o Sri Ishwari Pd. Srivastava 118/214 Kaushalpuri, Kanpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Kakadeo, Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 20,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 75,600/-

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 27-3-1979  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 775-A/Saharanpur/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nakur on 3-10-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mahendra Kumar s/o Lala Tirachand Jain r/o Saharanpur Mohalla Ramnagar Mukhtar-ai am of misjanil Smt. Mahali w/o Roshan Lal r/o Muzaffarnagar Mohalla Jain Mandir.

(Transferor)

(2) Shri Satyapal s/o Sullan Singh village Sahjani Post Machdhar Hedi Pang & Tah. Nakur Dist. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural situated at village Sahajani sold for an apparent consideration of Rs. 15,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 53,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 27-3-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 776 A/78 79 -Whereas I,  
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 5-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mst. Majidin w/o Miran r/o vill, Assampur Post Rampur Pargana Faizabad Tah. & Distt. Saharanpur (Transferor)
- (2) Shri Mohd. Hasan Pisar Bhutta r/o village Alampur Post Rampur Pargana Faizabad Tah. & Distt. Saharanpur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Alampur sold for an apparent consideration of Rs. 41,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 69,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 27-3-1979  
Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 777-A/Saharanpur/78-79.--Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.  
As per Schedule situated at As per Schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Saharanpur on 6-10-1978,  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property, and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :--

(1) Shri Sardar Kewal Singh, Sardar Gurdeo Singh s/o  
Sardar Gaurvachan Singh village Nalheda Ved Begam-  
pur Post & Pargana Haroda Tahsil & Distt. Saharan-  
pur.

(Transferee)

(2) Shri Sardar Jogendra Singh Sardar Mahendra Singh  
Pistan Sardar Mohan Singh village Thannula Post  
Handyaya Tah. Barnala Distt. Sangur (Punjab) Hal  
r/o village Nalheda Ved Begampur Post & Parg.  
Haroda Tah. & Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property situated at village Nalheda Ved Begampur  
Pargana Haroda District Saharanpur sold for an apparent con-  
sideration of Rs. 69,875/- the fair market value of which has  
been determined at Rs. 99,868/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 27-3-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Gaya Prasad s/o Banshidhar r/o Asdhana Post  
Vati Mahven, Ghatampur, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ram Kumar, Shiv Kumar s/o Banshidhar village  
Kumakt Post Dhamma Pargana Chatampur Distt.  
Kanpur Smt. Sharda Devi w/o Brijnandan w/o Vim-  
lesh Kumar Urf Shailani r/o Maghia Kheda Majia  
Damokar Post Devari Bujari Tah. Pithafi Distt.  
Fatehpur, Bldeo, Shiv ram, Shiv Narain Aa. Kud r/o  
Kumkhara Post Dhamma Bujurg Pargana Ghatam-  
pur, Kanpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 787-A/Kanpur/78-79.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the In-  
come-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as  
the 'said Act') have reason to believe that the immovable pro-  
perty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Ghatampur on 2-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or the assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Pathkhoru Pargana  
Ghatampur sold for apparent consideration of Rs. 45,000/-  
the fair market value of which has been determined at  
Rs 72,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Dated : 27-3-1979  
Seal :

## FORM IIIS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 789-A/M.Nagar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and part of bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana on 17-10-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

- (1) Smt. Hama Ram w/o Lidi Beg r/o Kanchala Pargana Kanchala Tah. Budhana Distt. Muzaffarnagar.  
(Transferor)
- (2) Shri Fayaz Ahmad, Rafiq Ahmad s/o Abdul Aji, Amir Ahmad, Abdul Aji sons Haji Allabanda, Latif Ahmad s/o Amir Ahmad, Smt. Khanul Nishya w/o Fayaz r/o Pargana Kanchala Tahsil Budhana Distt. Muzaffarnagar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Kanchala sold for an apparent consideration of Rs. 77,655/- the fair market value of which has been determined at Rs. 142,368/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 27-3-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Rameshwar Saran Gupta s/o Dr. P. L. Gupta  
r/o 1/12 Shanti Niketan, New Delhi-11020.

(Transferor)

(2) Shri Hariyab Kaur w/o Niranjan Singh Sakin village  
Nagala ber Post Kachiyana Distt. Gaziabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref No. 800-A/G.bud 78-79 —Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/- and bearing No.As per Schedule situated at As per Schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Meerut on 21-10-78for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

20 -76GI/79

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
person, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house property situated at Manoranjan Park, Saket,  
Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 150,000/-  
the fair market value of which has been determined at Rs.  
210,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 27-3-1979

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref No. 821-A/G bad/78 79 —Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-  
and bearing No  
As per Schedule situated at As per Schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
Ghaziabad on 3-10-78  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth tax 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Kishan Lal s/o Sri Gurdayal, Smt. Risala Devi  
w/o Sri Kishan Lal r/o 294 Malivada, Ghaziabad.  
(Transferor)
- (2) Shri Rameshwari Devi w/o Dharamvir Yadav vill-  
age Sharfabad, Post Parthala Paig & Tah, Dadari  
Distt Ghaziabad, Smt. Dhaneshwari w/o Om Prakash  
r/o village Harsau Pargana Dasana Distt Ghaziabad  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property situated at Malivada, Ghaziabad sold for an  
apparent consideration of Rs 40,000/- the fair market value  
of which has been determined at Rs 75,000/-

B C CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date 27-3 1979  
Seal

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 825-A/Meerut/78-79 —Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at As per Schedule and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mawana on 5-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as stated to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

I now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajpal &amp; Mahipal Singh sons of Phool Singh village Mohammad Muradpur Urf Sholda Pargana Kithaur, Mawana (Meerut).

(Transferor)

(2) Shri Banshi &amp; Chandar s/o Gopal &amp; Harchand s/o Mangal Singh village Hasanpur Pargana Kithaur Tahsil Mawana Post Khas Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land situated at village Sholda, Mawana, Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 39,072/- the fair market value of which has been determined at Rs. 63,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.Dated : 27-3-1979  
Seal :



**FORM ITNS ———****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**  
**COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 846-A/M Nagar/78-79. Whereas, I, **B. C. CHATURVEDI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 29-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mist. Jahur Fatma r/o Ali Hsan r/o Jauli Pargana Jauli, Jansath, Distt. Muzaffarnagar.  
 (Transferor)
- (2) Shri Ali Jauhar s/o Mohd. Aizaz r/o Jauli Pargana Jauli, Jansath Distt. Muzaffarnagar.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land situated at Jauli sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 113,864/-.

**B. C. CHATURVEDI**  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Kanpur

Dated : 27-3-1979  
 Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 849-A.—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mawana on 22-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Prahlad Singh s/o Amir Singh village Madauli Sadullapuri Pargana Kithaur Post Madalwala Distt. Meerut.  
(Transferor)
- (2) Shri Atma Singh, Meju Singh sons of Gurdaval Singh r/o village Salauth Rasul Panad Post Gaisupur Pargana Kithaur Tahsil Mawana (Meerut).  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land situated at village Shadipur sold for an apparent consideration of Rs. 11,100/- the fair market value of which has been determined at Rs. 55,520/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 27-3-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref No 861 A Meerut 78/79—Whereas, I,  
B C CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 19.9.78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sukhvir Singh, Jai Prakash, Bramha Prakash sons of Chaudhary Charan Singh village Kalina Post Khas Pargana & Tah & Distt Meerut (Transferor)  
(2) Shri Om Prakash s/o Chaudhary Bhagwan Sahai vill Kalina Post Khas Pargana, Tah & Distt Meerut (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Kheri Nyad Kalina Pargana & Distt Meerut sold for an apparent consideration of Rs 30 000/- the fair market value of which has been determined at Rs 78,960/-

B C CHATURVEDI,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range Kanpur

Dated 27-3-1979  
Seal

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 31st March 1979

Ref No 845/Aca/Kheragarh/78-79—Whereas, I,  
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Kheragarh (Agra) on 22-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Gopal s/o Lala Janki Prasad under guardian of Kanhaiya Lal Smt. Lilawati w/o Ram Gopal and others r/o Mohalla Chauban Kasba Firozabad Distt. Agra.

(Transferee)

(2) Shri Babu Lal, Bal Kishan sons of Lala Nilotam Das, Smt. Premvati w/o Lala Nilotam through Babulal, Sitaram s/o Bal Kishan r/o Post Kheragarh Distt. Agra, Smt. Kusum Devi w/o Mahavir Prasad r/o Moti Katra Distt. Agra,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Immovable properties at village Kheragarh Distt Agra sold for an apparent consideration of Rs. 115,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 150,000/-

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Dated : 31-3-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 2nd May 1979

Ref. No. Acq/761-A/Mrt/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 13-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Zarafatunnisan Begum,  
Widow of late Quazi Muqaddasuddin,  
r/o Ismail Nagar, Meerut.

(Transferor)

(2) Smt. Asghari Begum,  
Daughter of Haji Ishtiyah Ahmed,  
Kashi, Parg. & Tehsil Meerut,  
Distt. Meerut

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Property No. 43-44 (New No. 65) situated at Mashaye Khan, Meerut (Ismail Nagar) sold for an apparent consideration of Rs. 62,000/-, fair market value of which is at Rs. 78,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-5-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 1st May 1979

Ref. No. Acq/851-A/Mrt/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mawana on 26-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
21—76GI/79

- (1) Smt. Anuradha, w/o Shri Sardar Singh, Village & P.O. Gesupur, Parg. Kithor, Distt. Meerut.

(Transferor)

- S/Shri  
(2) 1. Satyapal Singh,  
2. Surendra Singh,  
3. Mahendra Singh,  
All sons of Shri Hukam Singh,  
R/o Village and P.O. Gesupur, Parg. Kithor,  
Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA - of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Gesupur Parg. Kithor, Distt. Meerut, sold for an apparent consideration of Rs. 65,040/-, fair market value of which is at Rs. 89,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-5-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 2nd May 1979

Ref. No. TR No. 523/Acq/Sadabad/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sadabad on 14-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajvir Singh,  
R/o Bavli, Teh. Sadabad,  
Distt. Mathura.

(Transferor)

S/Shri  
(2) 1. Suresh Chand,  
2. Mahesh Chand,  
3. Munna Lal,  
4. Surendra Singh,  
R/o Mohalla Deonagar, Firozabad,  
Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Bauli, Tehsil Sadabad, Distt. Mathura, sold for apparent consideration of Rs. 33,700/-, fair market value of which is at Rs. 68,280/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-5-1979  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Anuradha,  
W/o Shri Saidar Singh,  
Village & P.O. Gesupur, Parg. Kithor,  
Distt. Meerut.

(Transferor)

S/Shri  
(2) 1. Shoran Singh s/o Preetam Singh,  
2. Ashok Kumar,  
3. Vinod Kumar s/o Shoran Singh,  
All resident of Village and P.O. Gesupur,  
Parg. Kithor, Distt. Meerut.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 1st May 1979

Ref. No. Acq/852-A/Mit/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mawana on 26-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Gesupur, Parg. Kithor, Distt. Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 59,984/-, fair market value of which is Rs. 82,500/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-5-1979  
Seal :



**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
KANPUR**

Kanpur, the 3rd May 1979

Ref. No. TR No. 500/Acq/KNP/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 6-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ram Janki w/o Raja Ram Gupta,  
R/o 54/57, Nayaganj, Kanpur.

(Transferor)

- (2) Pt. Devi Sahai Pandey,  
R/o G-12 Chhauni, Shanti Nagar,  
Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House property No. 130/L-1/6-A situated at Bagahi, Kanpur, sold for an apparent consideration of Rs. 89,554/-, fair market value of which is Rs. 1,60,000/-.

**B. C. CHATURVEDI**

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-5-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 2nd May 1979

Ref. No. 311-A/Meerut/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Budhana on 21-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Jamshed Fatma,
- 
2. Smt. Badrul Nisal,
- 
- Wives of Shri Fazlur-Rehman,
- 
- R/o Husainpur, Post Khas, Parg. & Teh. Budhana,
- 
- Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

S/Shri

- (2) 1. Mahabir Singh,
- 
2. Balbir Singh,
- 
3. Mahipal Singh,
- 
- All sons of Shri Phara Singh,
- 
- R/o Village Deva, Post Khas, Parg. Chhaprauli,
- 
- Teh. Baghpat, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Husainpur, Kalan, Parg. &amp; Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar, sold for an apparent consideration of Rs. 39,270/-, fair market value of which is at Rs. 60,500/-

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur.

Date : 2-5-1979

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 3rd May 1979

Ref. No. Acq/832-A/D.Dun/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Haridwar on 18th August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Lilawati w/o Shri Darshan Lal Gupta,  
R/o 40, Tilak Road, Dehradun.

(Transferor)

- (2) Shri Satyapal Kumar s/o Shri Laxman Dass,  
R/o Jwalapur, Parg. Jwalapur, Teh. Hardwar,  
Distt. Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land measuring 15488 sq. ft. situated at Aryanagar, Jwalapur, Parg. Jwalapur, Teh. Hardwar, Distt. Dehradun, sold for an apparent consideration of Rs. 70,000/-, fair market value of which is at Rs. 1,03,200/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 3-5-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 18th May 1979

Ret. No. 186-A/Mrt/78-79.—Whereas, I. B. C  
CHATURVEDI,being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearingAS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred, under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Meerut on 15-9-78for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- S/Shri
- (1) 1. Sukhvanish Narain Singh,  
S/o Ch. Raghuvansh Narain Singh,  
2. Vinay Narain Singh,  
S/o Sukhvanish Narain Singh,  
3. Shri Ajayvanish Singh,  
S/o Sukhvanish Narain Singh,  
R/o Uttam Batika, Wester Kutchery Road,  
Meerut.  
(Transferor)
- (2) Shri Virendra Singh s/o Shri Raghubir Singh,  
R/o Vill. Niwari, Par. Jalabad,  
Teh. & Distt. Ghaziabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing Municipal No. 380, situated at  
Uttam Batika, Wester Kutchery Road, Meerut, sold for an  
apparent consideration of Rs. 35,000/-, fair market value of  
which is at Rs. 48,800/-.B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.Date : 1-5-1979  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
KANPUR**

Kanpur, the 18th May 1979

Ref. No. Acq/848-A/Mrt/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mawana on 20-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) 1. Jagat Singh,  
2. Nareshpal,  
Sons of Shri Gajraj Singh,  
R/o Village Etamadpur, Parg. Kithor, Teh.  
Mawana, Distt. Meerut.

(Transferor)

S/Shri

2. Zile Singh,  
Minors through local guardian Shri Jagat Singh,  
R/o Village Etamadpur, Parg. Kithor,  
Teh. Mawana, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land situated at Village Etamadpur, Parg. Kithor, Teh. Mawana, Distt. Meerut, sold for an apparent consideration of Rs. 50,000/-, fair market value of which is at Rs. 99,500/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 1-5-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd May 1979

Ref. No. TR No. 551/Acq/Hathras/78-79.—Whereas 1, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hathras on 30-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—76GI/79

(1) Smt. Rambeti, w/o Shri Rajendra Prasad, r/o Vill. Bagjawan, Teh. & Iglas, at present residing at Vill. Pasauli, Parg. & Teh. Hathras, Distt. Aligarh.

(Transferors)

(1) Gulzarilal, (2) Chetram, r/o Khera Parsauli, Parg. & Teh. Hathras, Distt. Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Khera Parsauli, Parg. & Teh. Hathras, Distt. Aligarh, sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/—, fair market value of which is at Rs. 61,130/—.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 2-5-79

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st May 1979

Ref No Acq/548/Alighah/78-79 —Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Iglas on 7-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Devidutta, w/o Shri Nairan Prasad,  
r/o Parg. Gorai, Tehsil Iglas,  
Distt Aligarh.

(Transferor)

(1) Arvind Kumar, (2) Raj Kumar, &  
(3) Komal Kumar, (4) Munesh Kumar,  
(5) Vijay Kumar (minors) all sons of  
Shri Shivdutta Sharma &  
(6) Smt Shiv Kumari, w/o Shri Shivdutta  
Sharma, all r/o Parg Gorai,  
Post and Tehsil Iglas,  
Distt. Aligarh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Mauza Iglas, Distt Aligarh, sold for an apparent consideration of Rs 30,000/-, fair market value of which is at Rs 56,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date . 1-5-79

Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31d May 1979

Ref. No. TR No. 483/Acq/Knawli/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kirawli on 2-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Natthlal, r/o Village Runakta, Teh. Kirawli, Agra.

(Transferor)

(2) M/s. Leather Industries Pvt. Ltd., through Shri Kishan Lal Sachdeva, Director, 7, Show Centre, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land bearing Khasra No. 897, situated at Village 'Runakta, Tehsil : Kirawli, Agra, sold for an apparent consideration of Rs. 1,05,000/-, fair market value of which is determined at Rs. 1,85,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-5-79

Seal :



## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th April 1979

Ref. No 185/Meerut/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Meerut on 15-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nirajan Lal, adopted son of Shri Parshadilal, r/o Mohalla Jubleeganj, Meerut Cantt.

(Transferor)

- (2) Shri Krishna Chand alias Vishnu, s/o Lala Musaddilal, r/o Mohalla Jubleeganj, Rajban, Meerut Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three storied building having two shops situated Mohalla Jubleeganj, Rajban, Meerut Cantt. has been sold for a sum of Rs. 35,000/- the fair market value of which at Rs. 50,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kan

Date : 25-4-79

Seal :

FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd April 1979

Ref No 841-A —Whereas I B C CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ghatampur on 18-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Laxmi Narain, Satya Narain s/o Shri Dulichand Shukla r/o Ghatampur Post Ghatampur Distt. Kanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Krishna Shukla s/o Indira Narain Shukla r/o Jamu Hal Mukam Gunthupur, Anand Kumar s/o Sri Jandin Prasad r/o Gumra Hal Mukam Gunthupur Post Ghatampur Distt. Kanpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Gunthupur Pargana Ghatampur Distt. Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 20,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 55,000/-

B C CHATURVEDI

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 3-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Raghuvir Singh Pissar Budhan  
r/o village Vadnoli, Pargana Sarava,  
Tehsil Meerut.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Sukhmali w/o Ilam Singh,  
r/o village Vadnoli Pargana Sarvana Tchsil  
Meerut.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 4th April 1979

Ref. No. 862-A.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 21-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land situated at village Vadnoli Pargana Sarawan, District Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 28,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 56,550/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-4-79  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th April 1979

Ref. No. 772-A/Saharanpur/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHFDULF situated at AS PER SCHFDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saharanpur on 13-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shri Lala Trilok Chand Jain s/o Lala Girdhari Lal Jain r/o Kasba Chilkana Pargana Sultanpur Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Raj Dulari w/o Lala Ram Kishan Agarwal, Moh. Jafranvaj Khan, Khalapur (Saharanpur).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property House and trees and machinery etc, measuring about 19 bigha and 5 biswa situated at village Patna Uif Nayan Bans Pargana Sultanpur Teh. Naku Distt. Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs. 140,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 192,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-4-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Ratan Lal s/o Phool Chand,  
Murari Lal s/o Sukhlal,  
Purshottam s/o Pattamal r/o Dulahi Kasba  
Firozabad Distt. Agra.

(Transferor)

(2) S/Shri Shahjad Ali, Shamshad Ali, Israt Ali  
sons of Mir Shaukat Ali r/o Barai Husaini  
Firozabad Distt. Agra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th April 1979

Ref. No. 555/Acq./F. Bad/78-79.—Whereas I, B. C.  
CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Firozabad on 4-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid ex-  
ceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen  
per cent of such apparent consideration and that the consi-  
deration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons namely :—

## THE SCHEDULE

Land measuring 61600 sq. ft. situated at Didamai Tahsil  
Firozabad Distt. Agra sold for an apparent consideration of  
Rs. 61,600/- the fair market value of which has been deter-  
mined at Rs. 85,500/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-4-1979  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 17th April 1979

Ref. No. 869/Acq./Agra/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 4-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

23—76GI/79

- (1) S/Shri Alok Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd. Agra through Secretary Rajendra Singh Kulshrestha s/o Ram Charan Lal r/o Vishlochpura, Agra.

(Transferor)

- (2) S/Shri Sharda Devi w/o Raj Kumar Singh Sengar r/o Alok nagar, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Immovable property House No. 19C/10 situated at North Saket Alok colony Agra sold for an apparent consideration of Rs. 48,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 65,700/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 17-4-79

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th April 1979

Ref. No. 882/Acq./Agra/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Agra on 15-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Virendra Singh s/o Radha Kishan  
r/o Piatappura, Agra.

(Transferor)

- (2) S/Shri Kishori Lal s/o Sumera Ram  
r/o Bhaktola, Tajganj, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property land measuring 878.636 sq. meter situated at village Rajpur Pargana Distt. Agra sold for an apparent consideration of Rs. 38,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 65,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Date : 17-4-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th April 1979

Ref. No. 500/Acq./Mat/78-79.—Whereas I, B. C.

CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mat (Mathura) on 4-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Manohar s/o Ishwari  
r/o Kakratia Khand Bhaisara  
Post Raya Pargana Tahsil Mat Distt. Mathura.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Bachu Singh, Girraj Singh, Dori Singh  
Varma sons of Roop Singh r/o Nagala South  
Portion, Simara Pargana & Teh. Mat  
Distt. Mathura.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Itrauli Tahsil Mat Distt. Mathura sold for an apparent consideration of Rs. 30,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 69,440/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 19-4-1979  
Seal :



**FORM [TNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 20th April 1979

Ref. No. 381/Acq./Kan./78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kol (Aligarh) on 24-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Murarilal Saxena s/o Jaydayal Saxena, Sarla Devi Saxena w/o Murari Lal Saxena Hal r/o A-37 South Extension Part I, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Mukesh Kumar, Rakesh Kumar, Vinod Kumar, Pramod Kumar minors sons of Sri Brindavandas under guardianship of Smt. Premvati Devi r/o Bavari Mandi, Aligarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One House property Bhabhuwala Khana Tamira Pakka with Electric and hand pipe and chungli may security situated at Jayganj, Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 45,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 20-4-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) S/Shri Murarilal Agarwal s/o Sukhlal Agarwal  
r/o Mohalla Duli Kasba Firozabad

(Transferor)

(2) S/Shri Dharendra Kumar Gupta, Hari Om Gupta,  
Anand Kumar Gupta, Sri Bhagwan Gupta sons of  
Jala Satya Prakash Ji Gupta  
r/o Mohalla Chandavar Gate Kasba Firozabad,  
Distt Agra

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th April 1979

Ref No 560/Acq/F Bad/78 79—Whereas I, B C  
CHATURVEDIbeing the competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-  
and bearing NoAS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Firozabad on Oct 78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid pro-  
perty and I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-  
tion therefore by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).Now, therefore in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later,(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official GazetteEXPLANATION — The terms and expression used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

## THE SCHEDULE

Immovable property situated at Firozabad, Agra sold for  
an apparent consideration of Rs 40,000/- the fair market  
value of which has been determined at Rs 60,000/-

B C CHATURVEDI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date 20-4-1979

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th April 1979

Ref. No. Acq/284-A/Saharanpur/78-79.—Whereas, I  
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 26-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Sardar Chanan Singh,  
r/o Ambala Road, Saharanpur.

(2) S/Shri (1) Lalchand, (2) Hansraj, (3) Saganlal, all sons of Rajadaram, and (4) Smt. Mirawa Devi, w/o Shri Rajadaram, r/o Quarter No. G-26, Gopalnagar, Numaish Campus, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 bigha, 14 biswa, situated at Mauza Khattriwala, Parg. & Tch. Wajila, Distt. Saharanpur, consisting of boundary wall, Tube-well with 5 HP motor in working order and electric fittings sold at Rs. 48,000/-, fair market value of which is at Rs. 78,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Date : 24-4-79

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th April 1979

Ref. No. 170-A/PN/M. Nagar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PFR SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana on 14-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Ramesh Chand s/o Lala Pyare Lal  
r/o Kasba Samli Post Khas Parg. Shamli,  
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

- (2) S/Shri Ravindra Kumar s/o Sri Khajan Singh  
r/o Kasba Shamli Post Khas Pargana Shamli,  
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two shops area 200 and 280 sq. ft. situated at Bakey village Shamli Vaisbya College Road, Pargana Shamli, Distt. Muzaffarnagar sold for an apparent consideration of Rs. 30,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 48,750/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-4-1979

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur the 25th April 1979

Ref No 197-A/PN/M Nagai/78-79—Whereas I,  
B C CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 21-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) S/Shri Dhan Singh, Satyapal sons of Khajan, Shobharam s/o Kalva r/o Village Shivpuri Post Mirapuri Distt Muzaffarnagar  
(Transferor)

(2) S/Shri Malkhan Singh, Baburam sons of Ghotan Singh r/o village Akbarpur Garhi Post Mawana Distt Meerut  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 10 Bigha 7 Biswa situated at village Jamalpur Bangai Pargal Bhumma, Sambhal Heda Tahsil Jansath Distt Muzaffarnagar sold for an apparent consideration of Rs 20,000/- the fair market value of which has been determined at Rs 41,920/1

B C CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Asstt Commissioner of Income tax

Acquisition Range, Kanpur

Date 25-4-1979  
Seal

## FORM ITNS—

(1) Smt. Harpyani, w/o Ganeshi Singh,  
1/0 Vill. Kanla Rampur,  
Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S Shri (1) Brahmjit (2) Jagjit, minor sons of Shri  
Ram Singh, 1/0 Silhani, Majra Rampur,  
Saharanpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th April 1979

Ref. No. Acq/279-A/Saharanpur/78-79.—Whereas I,  
B. C. CHATURVEDI  
being the Competent Authority under Section 269B of  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Saharanpur on 30-9-78

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of  
the property as aforesaid exceeds the apparent con-  
sideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said  
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the  
following persons, namely :—  
24—76GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The term and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act shall  
have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Rampur, Distt. Saharan-  
pur sold for Rs. 45,000/- fair market value of which is at  
Rs. 90,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-4-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Mangal s/o Sagar r/o village Nona Pargana  
Katauli, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Kailash Chandra, Ramesh Chandra  
s/o Sri Deep Chand  
r/o Village Khatauli Par. Khatauli  
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th April 1979

Ref. No. 805-A/M. Nagar/78-79.—Whereas I,  
B. C. CHATURVEDIbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering officer at  
Jansath on 8-9-78for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Nona pargana  
Khatauli Distt. Muzaffarnagar sold for an apparent consi-  
deration of Rs. 48,000/- the fair market value of which has  
been determined at Rs. 70,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-4-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Jamuna Devi, widow of late Shri Badri Prasad, r/o Bhitargaon, Parg. Ghatampur, Distt. Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri (1) Saivesh Kumar, (2) Aydhesh Kumar, (3) Naresh Kumar, all sons of Shri Harivansh Narain, r/o Bhitargaon, P.O. Bari Bhitargaon, Parg. Ghatampur, Distt. Kanpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 25th April 1979

Ref. No. Acq/842-A/KNP/78-79.—Whereas I,

B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghatampur on 27-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Bhitargaon, Parg. Ghatampur, Distt. Kanpur, apparent consideration of which is at Rs 40,000/- as against the fair market value at Rs 83,500 --.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 25-4-1979

Seal .



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th April 1979

Ref. No. 302-A/PN/B, Shahar.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 15-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bin Behari Gupta  
S/o Shri Lala Gurdhari Lal  
r/o Civil Lines, Bulandshahar

(Transferor)

(2) S/Shri Tulok Singh, Deep Chandra sons of  
Shri Prithvi Singh, Shyamoshwar Singh  
S/o Deep Chandra, Shyam Pal Singh,  
S/o Tulok Chandra all resident of village Bharvedi  
Shahar Anupshahar Bulandshahar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property (Area 2280 sq. yd.) situated at Mohalla Kothivan Distt Bulandshahar sold for an apparent consideration of Rs. 175,000 — the fair market value of which has been determined at Rs. 242,400/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Kanpur

Date, 26-4-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) S/Shri Vijay Singh, Tara Singh s/o Lakhpat Singh, Karan Singh s/o Lakhpat Singh, Dainam Singh, Yogendrapal Singh s/o Karan Singh  
r/o village Sarai Jagannath Pargana Sikandarabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Rampal, Sunderpal s/o Nawab Singh, Virpal s/o Dharmendra Singh urf Dharampal Singh, Udappal Singh s/o Vijaypal Singh  
r/o village Sukhalpura Sikandarabad  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 26th April 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. 833-A/B. Shabar 78-79 —Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sikandarabad on 18-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Janedpur Pargana Sivay (Sikandarabad) sold for an apparent consideration of Rs. 138,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 328,000/-.

B. C. CHATURVEDI,  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-4-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 26th April 1979

Ref No 850 A/Mrt/78-79 —Whereas I,  
B C CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing number

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mawana on 26-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

(1) Smt Anuradha, w/o Shri Sardar Singh  
r/o Vill & Post Gesupur Mang, Kithoi,  
Distt Meerut

(Transferor)

(2) (1) Sushil Kumar, & (2) Smt Shantidevi,  
w/o Shri Jagdish, r/o Vill & Post Gesupur, Parg  
Kithoi, Distt Meerut

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill Gesupur, Parg Kithoi, Distt Meerut, sold for an apparent consideration of Rs 59 984/- fair market value of which is at Rs 82 500/-

B C CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date 26-4-1979  
Seal

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th April 1979

Ref. No. 860-A/G. bad/78-79.—Whereas I,  
B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad on 25-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Ram Kumar Goyal s/o Sri Bhurey Lal r/o Hal 127 Mohalla Kanhaiya Lal Thali Patvali,, Manohar Lal Gupta s/o Iala Sagarmal r/o 287 Ritganj, Gaziabad.

(Transferor)

- (2) Sht. Savitri Devi w/o Satya Prakash, Raj Kumar, Pavan Kumar, Munesh Kumar sons of Satya Prakash r/o 43 Kailashbalan, Delhi Gate, Gaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 87 Area 200 sq. yd. situated at Navyug Market, Gaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 130,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 240,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 26-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Vinod Kumar, s/o Lala Om Prakash,  
R/o Roorkee, Teh Khas, Dist  
Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S Shri Gyanendra Pandey s/o Shri G. D. Pandey,  
r/o Jawahar Quarters, Civil Lines,  
Meerut.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th April 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No 863-A/Mrt/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing number  
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Meerut on 22-9-78

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act. In  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Part of the constructed bungalow No. H-3, bearing Municip-  
pal No. 86, situated at Jawahar Quarters, Civil Lines, Meerut,  
sold for Rs. 50,000/-, the fair market value of which has been  
determined at Rs. 83,500/-

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 26-4-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) S/Shri P. C. Goel and Smt. Kumkum Goel,  
both r/o K. B. 78/8-A, Kavindernagar,  
Ghaziabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Iqbal Jahan Begum, w/o  
Syed Azizurrehman,  
r/o 413, Gali Matia Mahal, Jama Masjid,  
Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th April 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Acq/286-A/GBD/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 4-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House property (three storeyed) No. KB 78/8-A, situated  
at Kavinder Nagar, Ghaziabad, sold for an apparent considera-  
tion of Rs. 1,02,000/-, fair market value of which is at Rs.  
1,40,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 27-4-79  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th April 1979

Ref. No. Acq/794-A/Meerut/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baghpat on 1-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Umrao Singh, s/o Hoshiyar Singh, r/o Vill. Tugana, Parg. Chhaprauli, Teh. Baghpat, Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) S/Shri (1) Shyam Singh, (2) Ram Chandra Singh & (3) Munshi Singh, all sons of Shri Hoshiyar Singh, r/o Vill. Tugana, Parg. Chhaprauli, Teh. Baghpat, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Tugana, Parg. Chhaprauli, Teh. Baghpat, Distt. Meerut has been sold for Rs. 1,25,000/-, the fair market value of which is Rs. 1,86,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-4-79

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th April 1979

Ref. No. 826-A/Mit./78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mawana on 29-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Munsharif s/o Sri Sherdin, Smt. Vakila w/o Munsharif r/o Phalavada Post Khas Tahsil Mawana Distt. Meerut.

(Transferors)

(2) Shri Narendra Kumar s/o Sri Vijaipal Singh, Satish Kumar s/o Sri Bhopal Singh r/o Mandwadi Post Phalavada Tah Mawana, Distt. Meerut.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Phalavada Tah. Mawana Distt. Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 43,900/- the fair market value of which has been determined at Rs. 92,800/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-4-79

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th April 1979

Ref. No. 764-A/D. Dun/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dehradun on 28-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Sewati Devi, widow Harishchand Gupta, 2. Anand Swaroop Gupta, 3. Raghunandan Gupta, 4. Pavan Kumar Gupta, 5. Pramod Kumar Gupta, sons and 6. Smt. Shrimati Gupta, daughter of late Ch. Amar Nath, r/o 44, Saharanpur Road, Dehradun.

(Transferors)

(2) Smt. Shakuntala, daughter of Ch Shree Ram, r/o Dhanirampura, Teh. Gulla, Distt. Kurukshetra, Distt. Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property bearing No. 65 (Old No. 44-A) situated at Saharanpur Road, Dehradun sold for Rs. 85,000/- as against the fair market value of Rs. 1,08,260/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-4-79  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th April 1979

Ref. No. TR No. 520/Acq./Etmadpur/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etmadpur on 18-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Laxmi Narain s/o Raj Narain  
r/o Azadgali, Agra,  
Vishnu Babu s/o Ram Babu  
r/o 136 Avtar Singh Road, Cantt. (Transfers)
- (2) S/Shri Firm G. C. Industries Bakey Langarey Ki  
Chowki Bajariye Anil Kumar s/o Raj Narain Agarwal  
r/o Azadgali, Agra. (Partner) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immoveable property Araj plot measuring 3000 sq. meter situated at village Naraich Mustakil Pargana Etmadpur Distt. Agra sold for an apparent consideration of Rs. 35,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 30-4-1979  
Seal :

**FORM ITNS—**

- (1) Smt. Ramlali Choudhury, W/o L. Joynath Choudhury, A. R. Road, Gauhati.  
(Transferor)
- (2) 1. Shri Hukum Chand Jain,  
2. Shri Niranjan Chakravarty.  
(Transferee)
- (3) Shri Sarada Prasad Tewari, All resident of Gauhati.  
(Person in occupation of the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, SHILLONG**

Shillong, the 10th May 1979

Ref. No. A-2/8/Gau/78-79/135-137.—Whereas, I. R. N. BARA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 572 and Patta No. 230 situated at Ulubari Town Mauza Ulubari, Gauhati in the district of Kamrup, Assam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 23-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 1 (one) Bigha 2 (two) Katha 10 (ten) Lecha situated at Ulubari Town Mouza Ulubari, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

**R. N. BARA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Shillong

Date : 10-5-79  
Seal :

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 4th May 1979

Ref. No. BGR/11/78179.—Whereas, I, E. K. Koshi, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 292, Industrial Area situated at Sector 24-Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Yash Pal Lakhani S/o Sh. Chokha Ram alias Choka Nand R/o 88, Taneja Block, Adrashnagar, Jaipur.  
(Transferor)
- (2) M/s. H. S. Baswer & Co., Plot No. 291, Sector 24, Industrial Area, Faridabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 252 measuring 1288.88 sq. yards with construction situated at sector 24, Faridabad and as more fully described in the sale registration No. 3475, dated 23-8-1978 at the office of the Registering Authority, Ballabgarh.

E. K. KOSHI,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 4-5-1979

Seal :

